RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 86 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, मंगलवार, 22 सितंबर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

एशियन गेम्स

दूसरे दिन भारत को मिले 4 पदक

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत ने जापान के नगोया में चल रहे एशियन गेम्स के दूसरे दिन 4 मेडल जीते। इनमें से 3 मेडल शूटर्स ने दिलाए। जबकि, एक मिक्स्ड मार्शल आर्टस में आया। सोमवार को मेंस 10 मीटर राइफल के इंडिविजुअल्स इवेंट में हिमांशु ढिल्लों (252.4 अंक) को सिल्वर

मिक्स्ड मार्शल आर्टस में पहली बार मिला मेडल

और रुद्रांश पाटिल (230.9 अंक) को ब्रॉन्ज मिला। चीन के शेंग लिहाओ (254.2 अंक) ने गोल्ड जीता। टीम इवेंट में भारत ने सिल्वर जीता। पार्थ माने, रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों वाली टीम 1890.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। चीन (1899.9 अंक) पहले और कोरिया (1884.2 अंक) तीसरे स्थान पर रहे। इस बीच सुचिका तारियाल ने मिक्स्ड मार्शल आर्टस के विवादित मुकाबले में ब्रॉन्ज हासिल किया। यह इस खेल में एशियाड का पहला मेडल भी है। इंडिया को महिला हॉकी और कबड्डी में भी जीत मिली। वहीं, टेबल टेनिस में भारत की दोनों टीमों ने पाकिस्तान को हराया। खास बात यह रही कि पाकिस्तानी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सके।

▶ सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासनिक स्तर पर पुलिस की जवाबदेही तय की

कड़ा निर्देश: बिना लिखित कारण बताए गिरफ्तारी 'असंवैधानिक'

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, अनुच्छेद 22(1) का उल्लंघन करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच और कार्रवाई की जाएगी

● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में बताए बिना किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच और कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बेहद अहम फैसले में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के प्रावधान के तहत गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में और उसकी समझ की भाषा में बताना अनिवार्य है। इसका पालन नहीं होने पर गिरफ्तारी अवैध और असंवैधानिक हो जाती है।

जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने अपने बेहद अहम फैसले में कहा कि यदि ऐसी गिरफ्तारी को अदालत अवैध घोषित कर आरोपी को रिहा कर देती है और जांच एजेंसी उसे दोबारा हिरासत में लेना चाहती है, तो वह सीधे दोबारा गिरफ्तार नहीं कर सकती। जांच एजेंसी को पहले

आरोपी को गिरफ्तारी के लिखित आधार देने होंगे और संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन कर उसकी अनुमति लेनी होगी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि दोबारा गिरफ्तारी का फैसला उसी अधिकारी के हाथ में नहीं छोड़ा जा सकता, जिसने पहली बार संविधान के प्रावधान का उल्लंघन किया था।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

- आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित में और ऐसी भाषा में बतानी होगी, जिसे वह समझ सके। इसकी कॉपी भी उसे जल्द से जल्द देनी होगी।
- अगर अनुच्छेद 22 (1) के उल्लंघन के कारण व्यक्ति को रिहा किया जाता है और जांच एजेंसी को उसकी हिरासत जरूरी लगती है, तो दोबारा गिरफ्तारी के लिए मजिस्ट्रेट के सामने अर्जी देनी होगी।
- दोबारा गिरफ्तारी की वजह और उसकी जरूरत बतानी होगी।
- आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित में देने के बाद ही अर्जी दाखिल की जाएगी।
- जिस अधिकारी ने पहली गिरफ्तारी में संवैधानिक नियम का उल्लंघन किया, उसे दोबारा गिरफ्तारी का फैसला लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।
- दोबारा गिरफ्तारी की अर्जी पर उसके सीनियर अधिकारी की सहमति भी जरूरी होगी।

चार्जशीट दाखिल करने से अवैध गिरफ्तारी वैध नहीं होगी

पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में देना केवल प्रक्रिया संबंधी औपचारिकता नहीं, बल्कि मौलिक संवैधानिक सुरक्षा है। बाद में चार्जशीट दाखिल होने या अदालत द्वारा संज्ञान लेने से ऐसी अवैध गिरफ्तारी वैध नहीं हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि सभी तरह के अपराधों और विशेष कानूनों के तहत होने वाली गिरफ्तारियों पर लागू होता है। गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए जाने पर आरोपी को रिहा किया जाता है तो यह जमानत पर रिहाई नहीं, बल्कि अवैध और असंवैधानिक हिरासत से मुक्ति है। यह फैसला शिरोमणि अकाली दल से जुड़े मल्लनपुर दाखा विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी जस्करणजीत सिंह की गिरफ्तारी के मामले में आया। नाबालिग से कथित यौन अपराध के मामले में गिरफ्तार सिंह को गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए थे। स्थानीय अदालत ने उनकी गिरफ्तारी को अवैध घोषित कर रिहाई का आदेश दिया था, लेकिन पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गिरफ्तारी को अवैध घोषित करते हुए मिहिर राजेश शाह बनाम महाराष्ट्र राज्य (2025) के फैसले को लागू कानून बताया।

IMEI नंबर से छेड़छाड़ पर 3 साल जेल व 50 लाख जुर्माना

दूरसंचार विभाग ने जारी की चेतावनी, कहा- किसी दूसरे व्यक्ति की पहचान बनाकर सिम लेना भी अपराध

● नई दिल्ली

दूरसंचार विभाग ने एक बड़ी चेतावनी जारी की है। विभाग ने लोगों को मोबाइल फोन के इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी (आईएमईआई) नंबर से छेड़छाड़ करने और बिना अनुमति बदले गए टेलीकॉम पहचान नंबर वाले डिवाइस इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी दी। विभाग ने कहा कि ऐसे मामलों में तीन साल तक की जेल, 50 लाख तक का जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।

दूरसंचार विभाग ने कहा कि आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ करना या बदले हुए अथॉराइजेशन वाले टेलीकॉम पहचान नंबर वाले डिवाइस का इस्तेमाल करना टेलीकम्युनिकेशन्स एक्ट, 2023 और इसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार दंडनीय अपराध है। टेलीकम्युनिकेशन्स एक्ट की धारा 42(3)(सी) के तहत टेलीकॉम आइडेंटिटी नंबर से छेड़छाड़ प्रतिबंधित है। वहीं धारा 42(3)(ई) के तहत धोखाधड़ी, छल या किसी दूसरे व्यक्ति की पहचान बनाकर सिम या टेलीकॉम पहचान नंबर हासिल करने पर भी रोक है।

अपने नाम पर लिए गए सिम दूसरों को न दें

विभाग ने मोबाइल यूजर्स को अपने नाम पर लिए गए सिम कार्ड को किसी दूसरे व्यक्ति को ट्रांसफर करने, बेचने, उधार देने या सौंपने से भी सावधान किया है, क्योंकि उसका गलत इस्तेमाल हो सकता है। विभाग ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अपने नाम पर सिम खरीदने के बाद उसे साइबर फ्रॉड या किसी अन्य गैरकानूनी गतिविधि के लिए इस्तेमाल करने देता है, तो मूल सिम धारक भी कानूनी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार हो सकता है। विभाग ने मोबाइल ऐप, वेबसाइट या किसी अन्य माध्यम से दूसरे टेलीकॉम पहचान नंबर को बदलने के खिलाफ भी चेतावनी दी है।

सरकार ने डिजिटल संचार आयोग को भंग किया

केंद्र सरकार ने डिजिटल संचार आयोग (डीसीसी) को भंग कर दिया है। यह आयोग दूरसंचार आयोग से बना था। संचार मंत्रालय के अधीनस्थ दूरसंचार विभाग ने 19 सितंबर के एक प्रस्ताव के जरिए इस फैसले की जानकारी दी, जिसे सोमवार को सरकारी गजट के विशेष अंक में प्रकाशित किया गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि डीसीसी इसके प्रकाशन की तारीख से ही भंग माना जायेगा। इस संस्था को मूल रूप से 11 अप्रैल 1989 को एक सरकारी प्रस्ताव के जरिये दूरसंचार आयोग के तौर पर स्थापित किया गया था, 22 अक्टूबर, 2018 को दूरसंचार आयोग का नाम बदलकर डिजिटल संचार आयोग कर दिया गया था। इसमें कहा गया है, भारत सरकार ने डिजिटल संचार आयोग को भंग करने का फैसला किया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: CCTV में 105 बार दिखी चोरी की घटना

एसआईटी जांच में हुआ खुलासा, सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया

● नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब चार्जशीट दाखिल करने की समय सीमा पूरी होने वाली है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में यूपी सरकार ने कहा कि एसआईटी की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही चार्जशीट दाखिल होगी। यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले में दो दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल कर दिया जाएगा।

उप्र सरकार 25 सितंबर तक सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेगी चार्जशीट

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह बयान पीठ के समक्ष दिया। मेहता ने कहा कि पहली गिरफ्तारी की तारीख से नब्बे दिनों की अवधि 25 सितंबर को समाप्त हो जाएगी और यदि उससे पहले आरोप पत्र दाखिल नहीं किया जाता है, तो आरोपी को जमानत नहीं मिलेगी। हम दो दिनों के भीतर याचिका दायर कर देंगे। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को यह भी बताया कि विशेष जांच दल ने जांच के संबंध में न्यायाधीशों को एक स्टेटस रिपोर्ट सौंप दी है। पीठ ने एसआईटी की स्थिति रिपोर्ट का भी अवलोकन किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, एसआईटी अब चार्जशीट दाखिल करना चाहती है, तो दाखिल करें। इस मामले में मजिस्ट्रेट आगे की कार्रवाई कानून के मुताबिक करें। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि धाराओं को देखते हुए मामले में एडिशनल सेशंस जज सुनवाई करेंगे। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी जांच के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि सीसीटीवी में दिखा है कि 105 बार चढ़ावा चोरी की घटना हुई। एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने पढ़ी। इस दौरान यह भी बताया गया कि अब तक कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है और चंदा चोरी के क्या सबूत मिले हैं। कोर्ट को सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और सबूतों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्टेटस रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपियों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज और दूसरे मटीरियल का एनालिसिस कैसे किया गया है।

गंभीर ध्वनि प्रदूषण पर बॉम्बे हाईकोर्ट चिंतित

कोर्ट ने कहा- पर्व के खिलाफ नहीं, प्रदूषण के खिलाफ हैं

● मुंबई

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने त्योहारी सीजन के बीच पूरे महाराष्ट्र में गंभीर ध्वनि प्रदूषण फैलने पर सोमवार को स्वतः संज्ञान लिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह किसी धर्म या त्योहार के खिलाफ नहीं, बल्कि ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ हैं। न्यायमूर्ति जी. एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने त्योहारों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान डीजे, साउंड सिस्टम और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से होने वाले ध्वनि प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की। (शेष पेज 8 पर)

देर रात तेज संगीत की इजाजत समझ से परे

बेंच ने कहा, हमें इन जुलूसों में आधी रात यानी 12:00 बजे तक इतना तेज संगीत बजाने की इजाजत देने में कोई तर्क समझ नहीं आता, जबकि हमें बताया गया है कि ऐसे जुलूसों के लिए म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट, लाउडस्पीकर और एम्पलीफायर के इस्तेमाल की इजाजत सिर्फ रात 10 बजे तक ही होती है।

प्रेमी ने आरटीओ इंस्पेक्टर प्रेमिका की हथौड़े से की हत्या, खुद फंदे पर झूला

भोपाल के लेकपर्ल कॉलोनी के मकान में मिला मीनाक्षी गोखले का शव, घर से 50 मीटर दूर पेड़ पर लटका मिला प्रेमी पवन

● भोपाल

पुलिस ने कहा प्रेमी पवन शादी करना चाहता था, मीनाक्षी के पिता तैयार नहीं थे

राजधानी के खजूरी सड़क थाना क्षेत्र की लेकपर्ल कॉलोनी में रविवार देर रात दतिया में पदस्थ आरटीओ इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले (34) की उनके 35 वर्षीय प्रेमी पवन द्विवेदी ने हथौड़े से सिर पर वार कर हत्या कर दी।

वारदात के बाद आरोपी ने घर से करीब 50 मीटर दूर आम के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह केयरटेकर ने मीनाक्षी का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस को शव के पास खून से सना हथौड़ा मिला है। प्रारंभिक जांच में शादी को लेकर विवाद की आशंका जताई जा रही है। डीसीपी आदर्शकांत शुक्ला ने बताया कि मीनाक्षी गोखले मूलरूप से इंदौर की रहने वाली थीं और दतिया में आरटीओ इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थ थीं। उनका पति से तलाक हो चुका है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मीनाक्षी और पवन द्विवेदी के कई वर्षों से प्रेम संबंध थे।

बच्ची केयरटेकर के साथ सो रही थी

घटना के समय मीनाक्षी की तीन वर्षीय बेटी केयरटेकर कृतिका के साथ सो रही थी। हत्या के बाद पवन घर से बाहर निकला और कुछ दूरी पर स्थित आम के पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों घटनास्थलों से साक्ष्य जुटाए। तलाशी के दौरान पवन की जेब से बैंक पासबुक भी मिली है। पुलिस हत्या के कारणों, घटनाक्रम और दोनों के संबंधों से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। पवन मूल रूप से सीधी जिले का रहने वाला था। उसने इंदौर में कोचिंग क्लासेस भी संचालित की थीं। इसी दौरान करीब 10 साल पहले उसकी मुलाकात मीनाक्षी से हुई थी। इन दिनों पवन एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था और सेल्स मैन की जॉब कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद खजुरी सड़क पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी। सोमवार शाम पवन के परिजन भोपाल पहुंच गए। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद उसका शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

सीएम आज बैंगलुरु में टेलीकॉम निवेशकों से करेंगे संवाद

भोपाल, प्रसं। मप्र में टेलीकॉम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को गति देने के लिए राज्य सरकार अब देश के प्रमुख तकनीकी केंद्र बैंगलुरु के उद्योग जगत से सीधे संवाद करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 22 सितंबर को बैंगलुरु में टेलीकॉम क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ इन्वेस्टर्स राउंड टेबल में ग्वालियर में विकसित किए जा रहे टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। ताज बैंगलुरु में होने वाले इस संवाद में मुख्यमंत्री निवेशकों को ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन में उपलब्ध निवेश अवसरों, राज्य की औद्योगिक नीतियों और निवेश के लिए राज्य सरकार की ओर से दिए जा रहे सहयोग की जानकारी देंगे। इन्वेस्टर्स राउंड टेबल में भारत सरकार के संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शामिल होंगे।

फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान दो भारतीय छात्रों की मौत

नई दिल्ली, आरएनएन। कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक विमान हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। भारतीय मिशन ने ये जानकारी दी। मृतकों की पहचान तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम के रूप में हुई है। वैंकूवर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दोनों छात्रों की मौत पर रविवार को शोक व्यक्त किया। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा, वैंकूवर स्थित भारत का महावाणिज्य दूतावास तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दोनों भारतीय छात्रों की कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक दुखद विमान हादसे में मौत हो गई। उसने कहा, इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं परिवारों और उनके प्रियजनों के साथ हैं।

उपलब्धि | टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिला सर्वोच्च पुरस्कार, अंग की कहानी 1960 के दशक के नगालैंड की

नगालैंड की फिल्म 'अंग' को मिली ऑस्कर में डायरेक्ट एंट्री

● नई दिल्ली

नगालैंड की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म अंग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फिल्म के निर्देशक थेजा रियो की यह फीचर डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म है और इसने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2026 की प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म प्रतियोगिता जीत ली है।

फिल्म को इस प्रतियोगिता का सर्वोच्च पुरस्कार मिला। इस जीत के साथ अंग ने 2027 के ऑस्कर में इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी के लिए सीधे पात्रता का रास्ता हासिल कर लिया है। इस साल टीआईएफएफ की प्लेटफॉर्म प्रतियोगिता में चुनी गई अंग

इकलौती भारतीय फिल्म थी। प्लेटफॉर्म टीआईएफएफ के प्रमुख प्रतिस्पर्धी सेक्शन में से एक है, जिसे खासतौर पर ऐसे निर्देशकों और फिल्मों के लिए जाना जाता है, जिनकी सिनेमाई भाषा अलग और कहानी कहने का अंदाज विशिष्ट हो। (शेष पेज 8 पर)

फिल्म अंग की कहानी

फिल्म में अंग्बा नाम के एक बुजुर्ग कोन्याक सरदार हैं, जो एक ऐसे गांव के आखिरी निवासी हैं जिसे बाकी लोग छोड़ चुके हैं। कहानी में आगे एक अमेरिकी बैपटिस्ट मिशनरी अंग्बा के पारंपरिक जीवनशैली की परीक्षा लेता है। अंग्बा और उसका परिवार अपने वीरान पुश्तैनी गांव में ही रहते हैं। वह अपनी लुप्त होती आदिवासी परंपराओं और यादों को संजोए रखते हैं। यह मिशनरी वहां आधुनिक मदद, दवाइयां और ईसाई धर्म साथ लाता है। सरदार का गूंगा बेटा, अमाओ इस नए धर्म और इसकी जीवनशैली की ओर आकर्षित होने लगता है, जिससे सांस्कृतिक और समय के साथ होने वाले दूसरे बदलाव का दौर शुरू हो जाता है। यह सब वीरान गांव में एक शांत लेकिन आध्यात्मिक टकराव की स्थिति पैदा करता है।

किसी डेब्यू फिल्म को इस तरह की पहचान मिलना दुर्लभ

फिल्म की जीत के बाद 31 वर्षीय निर्देशक थेजा रियो ने कहा कि यह उनके और फिल्म से जुड़े सभी लोगों के लिए बेहद खास पल है। उन्होंने माना कि किसी डेब्यू फिल्म को इस तरह की पहचान मिलना दुर्लभ है। रियो के मुताबिक, उन्होंने अंग को उस जगह, अपने लोगों और अपनी संस्कृति के प्रति प्यार के साथ बनाया है, जहां से वह खुद आते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म के केंद्र में पिता और बेटे का रिश्ता है लेकिन इसके साथ-साथ यह छोड़ने, घर के साथ हमारे रिश्ते और जिंदगी की क्षणभंगुरता की बात भी करती है। फिल्म की निर्माता नैंसी निसा बेसो ने कहा कि थेजा के साथ उनका सहयोग उनके करियर के सबसे लंबे और महत्वपूर्ण सहयोगों में से एक रहा है। उन्होंने बताया कि शॉर्ट फिल्म से फीचर तक अंग को वे कई वर्षों से अपने साथ लेकर चल रहे थे। इस पूरे सफर में उनका विश्वास बना रहा कि यह ऐसी कहानी है जिसे उन्हें बताना जरूरी है और इसे अपने तरीके से ही बताया जाना चाहिए।

सोनिया गांधी को वोटर लिस्ट विवाद में झटका

कोर्ट ने रद्द किया मजिस्ट्रेट का आदेश

● नई दिल्ली / आरएनएन

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की भारतीय नागरिकता हासिल करने से तीन साल पहले मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से जुड़े मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

राऊज एवेन्यू के स्पेशल कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें कांग्रेस नेता का नाम 1983 में भारतीय नागरिकता हासिल करने से तीन साल पहले मतदाता सूची में शामिल होने के आरोप की जांच करने से इनकार कर दिया गया था। कोर्ट ने मामले में नए सिरे से सुनवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। स्पेशल कोर्ट ने फैसले में मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से शिकायत के निपटारे की कड़ी आलोचना की है। स्पेशल जज के अनुसार, मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश में साफ तौर पर विवेचना का अभाव दिखाई दिया।

राजस्थान के 301 नगरीय निकायों में अध्यक्ष-सभापति के नतीजे घोषित, भाजपा 197 और कांग्रेस 94 पर

सात नगर निगमों में भाजपा के छह महापौर, बीकानेर में कांग्रेस; कई निकायों में वार्ड चुनाव के बाद बदले समीकरण

स्मार्ट हलचल

जयपुर । राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव के बाद नगर निगमों में महापौर तथा नगर परिषद और नगर पालिकाओं में सभापति एवं अध्यक्ष पदों के चुनाव की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। प्रदेश के 301 नगरीय निकायों के प्रमुख पदों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। उपलब्ध अंतिम आंकड़ों के अनुसार भाजपा ने 197 निकायों में अध्यक्ष, सभापति या महापौर पद हासिल किया, जबकि कांग्रेस के खाते में 94 निकाय आए हैं। इसके अलावा निर्दलीय तथा अन्य दलों के प्रत्याशियों ने भी कुछ निकायों में प्रमुख पद हासिल किए हैं। अध्यक्ष एवं सभापति पदों के चुनाव में कई निकायों में वार्ड चुनाव के दौरान बने दलगत समीकरणों से अलग परिणाम सामने आए। जहां किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, वहां निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। कुछ निकायों में एक-दो वोट के अंतर से फैसला हुआ तो कुछ जगह बराबरी के बाद लॉटरी से अध्यक्ष चुना गया।

सात नगर निगमों में भाजपा के छह महापौर

राजस्थान के सात नगर निगमों में महापौर पद के परिणाम सामने आ चुके हैं। इनमें भाजपा ने छह नगर निगमों में महापौर पद हासिल किया, जबकि एक नगर निगम में कांग्रेस का महापौर निर्वाचित हुआ। भाजपा की ओर से अजमेर, उदयपुर, अलवर, पाली, भरतपुर और भीलवाड़ा में महापौर निर्वाचित हुए। वहीं बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस के अनिल कल्ला महापौर चुने गए। भीलवाड़ा और भरतपुर में भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध महापौर निर्वाचित हुए। अजमेर में भाजपा की अनामिका शर्मा ने कांग्रेस प्रत्याशी को 43-37 के मत अंतर से हराया। उदयपुर में भाजपा के पारस सिंघवी महापौर निर्वाचित हुए। पाली में भाजपा की नमिता बुबकिया महापौर बनीं। यहां वार्ड चुनाव में कांग्रेस के पास अधिक पार्षद होने के बावजूद महापौर पद भाजपा के खाते में गया। अलवर में भी भाजपा की सुमनलता अग्रवाल महापौर निर्वाचित हुईं।

अजमेर में वार्ड संख्या से अलग रहा महापौर का परिणाम

अजमेर नगर निगम में वार्ड चुनाव के दौरान कांग्रेस के 37 पार्षद निर्वाचित हुए थे, जबकि भाजपा के 32 पार्षद थे। इसके बावजूद महापौर चुनाव में भाजपा की अनामिका शर्मा को 43 वोट मिले और वे महापौर निर्वाचित हुईं। कांग्रेस प्रत्याशी को 37 वोट मिले। इस परिणाम में निर्दलीय पार्षदों के समर्थन से चुनावी समीकरण बदला और महापौर पद का परिणाम वार्ड चुनाव के दलगत आंकड़ों से अलग रहा।

पाली में भी बदला समीकरण

पाली नगर निगम में वार्ड चुनाव के दौरान कांग्रेस के 29 और भाजपा के 21 पार्षद निर्वाचित हुए थे। इसके बावजूद भाजपा की नमिता बुबकिया महापौर निर्वाचित हुईं। उन्हें 33 वोट मिले और उन्होंने महापौर पद हासिल किया। पाली का परिणाम भी उन निकायों में शामिल रहा, जहां वार्ड चुनाव के बाद बने समीकरण महापौर चुनाव के समय बदलते दिखाई दिए।

नगर पालिकाओं में भाजपा का दबदबा

राज्य की नगर पालिकाओं में भी भाजपा ने बड़ी संख्या में अध्यक्ष पद हासिल किए। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 252 नगर पालिकाओं में से 248 के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें भाजपा ने 162 नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद जीता, जबकि कांग्रेस को 80 नगर पालिकाओं में सफलता मिली। छह नगर पालिकाओं में अन्य दलों या निर्दलीय प्रत्याशियों के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं, जबकि चार नगर पालिकाओं के परिणाम अभी बाकी हैं।

नगर परिषदों में भाजपा के 31 सभापति

राजस्थान की नगर परिषदों में भी भाजपा आगे रही। कुल 47 नगर परिषदों में से 46 के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें भाजपा ने 31 परिषदों में सभापति पद हासिल किया, जबकि कांग्रेस के खाते में 13 सभापति पद आए। दो नगर परिषदों में अन्य दलों या निर्दलीय प्रत्याशियों के सभापति निर्वाचित हुए हैं। एक नगर परिषद का परिणाम अभी बाकी है।

जालोर में कांग्रेस के बंशीलाल माली सभापति

जालोर नगर परिषद में कांग्रेस के बंशीलाल माली सभापति निर्वाचित हुए। कुल 40 मतों में उन्हें 23 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 17 वोट मिले। कांग्रेस ने निर्दलीय पार्षदों का समर्थन हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार किया। जालोर में वार्ड चुनाव के दौरान कांग्रेस के 19, भाजपा के 14 और निर्दलीय पार्षदों के जीतने के बाद सभापति चुनाव में निर्दलीयों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

श्रीगंगानगर में भाजपा का बोर्ड

श्रीगंगानगर नगर परिषद में भाजपा के अजय दावड़ा 'लक्की' सभापति निर्वाचित हुए। उन्हें 33 वोट मिले। परिणाम के साथ श्रीगंगानगर नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड बना।

जैसलमेर में भाजपा के विजय डांगरा सभापति

जैसलमेर नगर परिषद में भाजपा के विजय डांगरा सभापति निर्वाचित हुए। उन्हें 27 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 18 वोट मिले। डांगरा ने 9 वोट के अंतर से जीत दर्ज की।

पदमपुर में एक वोट से भाजपा की जीत

श्रीगंगानगर जिले की पदमपुर नगरपालिका में अध्यक्ष पद का मुकाबला बेहद करीबी रहा। भाजपा के जितेंद्र नारंग ने कांग्रेस प्रत्याशी को केवल एक वोट से हराया। जितेंद्र नारंग को 13 और कांग्रेस प्रत्याशी को 12 वोट मिले।

बारां में आम आदमी पार्टी का बोर्ड

बारां नगर परिषद में आम आदमी पार्टी की शीतल राठौड़ सभापति निर्वाचित हुईं। इस परिणाम के साथ स्थानीय निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भी प्रमुख पद हासिल किया। इसके अलावा कुछ नगर पालिकाओं में निर्दलीय प्रत्याशी भी अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं। कई निकायों में किसी एक दल के स्पष्ट बहुमत में नहीं होने के कारण निर्दलीय पार्षदों के समर्थन से बोर्ड का गठन हुआ।

भीलवाड़ा में भाजपा के सात, कांग्रेस के तीन अध्यक्ष

भीलवाड़ा जिले की 10 नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद के परिणाम भी सामने आ चुके हैं। इनमें भाजपा ने 7 नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद हासिल किया, जबकि कांग्रेस को 3 नगर पालिकाओं में सफलता मिली। मांडलगढ़ में भाजपा की श्वेता डांगी, बिजोलिया में स्नेहा तिवारी, बीगोद में लोकेश नागौरी, बनेड़ा में गोपाल चरण, जहाजपुर में अल्केश वैष्णव, गुलाबपुरा में विष्णु देवी वैष्णव और आसींद में सत्येंद्र सिंह चौहान भाजपा की ओर से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। गंगापुर में कांग्रेस की प्रीति काकाणी, हमीरगढ़ में प्रकाश जाट और शाहपुरा में रमेश सैन अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

कई निकायों में एक-एक वोट ने बदली तस्वीर

इन चुनावों में कई नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में मुकाबला बेहद करीबी रहा। बिजोलिया, गुलाबपुरा, शाहपुरा और पदमपुर जैसे निकायों में अध्यक्ष या सभापति पद का फैसला एक वोट के अंतर से हुआ। वहीं बनेड़ा में भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों को बराबर वोट मिलने के बाद लॉटरी के माध्यम से अध्यक्ष पद का फैसला किया गया। ऐसे परिणामों ने निकाय चुनाव में एक-एक पार्षद के मत की अहमियत को सामने रखा।

जयपुर, जोधपुर और कोटा का फैसला 25 सितंबर को

राजस्थान के तीन बड़े नगर निगमों जयपुर, जोधपुर और कोटा के महापौर पद का चुनाव अभी बाकी है। इन तीनों नगर निगमों में महापौर का चुनाव 25 सितंबर को होगा। इनके परिणाम आने के बाद प्रदेश के नगर निगमों की तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट होगी। इसके अलावा कुछ अन्य नगरीय निकायों के प्रमुख पदों के परिणाम भी शेष हैं। इसलिए 21 सितंबर तक घोषित परिणामों को प्रदेश के सभी नगरीय निकायों का अंतिम पार्टीवार आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

301 निकायों के परिणाम से तस्वीर साफ

21 सितंबर तक घोषित 301 नगरीय निकायों के प्रमुख पदों में भाजपा ने 197 और कांग्रेस ने 94 पद हासिल किए हैं। निर्दलीय और अन्य दलों के प्रत्याशियों ने भी कुछ निकायों में अध्यक्ष एवं सभापति पद प्राप्त किए हैं। नगरीय निकाय चुनाव के इन परिणामों में जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला, वहीं कई स्थानों पर निर्दलीय पार्षदों ने चुनावी समीकरणों को प्रभावित किया। शेष निकायों के परिणाम आने के बाद राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव की पूरी तस्वीर सामने आएगी।

13 वोट का खेल खत्म, भाजपा की स्नेहा तिवाड़ी बनीं बिजोलिया की पहली अध्यक्ष

25 पार्षदों ने किया मतदान, भाजपा को 13 और कांग्रेस को 12 वोट; एक मत से मिली जीत

स्मार्ट हलचल

बिजोलिया । बिजोलिया नगर पालिका के पहले अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा की स्नेहा तिवाड़ी ने एक मत के अंतर से जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में भाजपा प्रत्याशी स्नेहा तिवाड़ी को 13 मत, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी भूमिका सुवालका को 12 मत मिले। इस तरह स्नेहा तिवाड़ी ने एक मत से जीत हासिल कर बिजोलिया नगर पालिका की पहली अध्यक्ष बनने का गौरव हासिल किया। अध्यक्ष पद के लिए नगर पालिका के सभी 25 पार्षदों ने मतदान किया। मतदान के बाद हुई मतगणना में भाजपा के खाते में 13 और कांग्रेस के खाते में 12 मत आए।

25 सदस्यीय बोर्ड में भाजपा के 12, कांग्रेस के 11 और दो निर्दलीय

बिजोलिया नगर पालिका के 25 सदस्यीय बोर्ड में चुनाव से पहले भाजपा के 12 पार्षद, कांग्रेस के 11 पार्षद और 2 निर्दलीय पार्षद थे। अध्यक्ष पद के चुनाव में बहुमत का आंकड़ा 13 था। भाजपा को बहुमत के लिए एक अतिरिक्त मत की जरूरत थी। इसी वजह से अध्यक्ष चुनाव से पहले दोनों प्रमुख दलों की नजर निर्दलीय पार्षदों के रुख पर थी। मतदान के दौरान क्रॉस वोटिंग की आशंका के बीच राजनीतिक हलचल बनी रही।

विधायक गोपाल खंडेलवाल के नेतृत्व में पहुंचे भाजपा पार्षद

मतदान से पहले भाजपा के 11 पार्षद मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल के नेतृत्व में बाड़ाबंदी से बस के जरिए सीधे उपखंड कार्यालय पहुंचे और मतदान किया। उनके साथ निर्दलीय पार्षद राधेश्याम रेगर भी बाड़ाबंदी से मतदान स्थल पहुंचे। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी भूमिका सुवालका ने भी मतदान किया। कांग्रेस से बागी होकर निर्दलीय चुनाव जीते पार्षद कुंवर सौभाग्य सिंह भी अकेले मतदान स्थल पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतगणना के बाद एक वोट से जीत

मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी स्नेहा तिवाड़ी को 13 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी भूमिका सुवालका के खाते में 12 मत आए। इस तरह स्नेहा तिवाड़ी ने एक मत के अंतर से जीत दर्ज की। 13 मत प्राप्त करने के साथ ही भाजपा ने अध्यक्ष पद के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया। स्नेहा तिवाड़ी बिजोलिया नगर पालिका की पहली अध्यक्ष बनीं।

अध्यक्ष चुनाव के बाद अब उपाध्यक्ष पद की बारी

बिजोलिया नगर पालिका के पहले बोर्ड की अगली राजनीतिक प्रक्रिया 22 सितंबर को उपाध्यक्ष पद के चुनाव के साथ होगी। अध्यक्ष पद का चुनाव एक मत के अंतर से होने के बाद अब सभी की नजरें उपाध्यक्ष चुनाव पर रहेंगी।

35 मत लेकर पुष्पा बल्दुआ बनीं ब्यावर नगर परिषद की सभापति

भाजपा ने निर्दलीय पार्षदों के समर्थन से बनाया बोर्ड, कांग्रेस प्रत्याशी कैलाश गहलोत को मिले 25 मत

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। नगर परिषद सभापति पद के लिए सोमवार को हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशी पुष्पा बल्दुआ ने 35 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। कांग्रेस प्रत्याशी कैलाश गहलोत को 25 मत मिले। इसके साथ ही पुष्पा बल्दुआ ब्यावर नगर परिषद की नई सभापति निर्वाचित हुईं। नगर परिषद के 60 वार्डों के चुनाव परिणाम में भाजपा के 23, कांग्रेस के 20, RLP के 4 तथा निर्दलीय पार्षदों की संख्या 13 थी। किसी भी दल के पास स्पष्ट बहुमत नहीं होने के कारण सभापति चुनाव में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अहम मानी जा रही थी। मतदान के परिणाम में भाजपा प्रत्याशी को 35 मत मिलने से पार्टी के पक्ष में अतिरिक्त समर्थन सामने आया। सभापति चुनाव के दौरान मतदान केंद्र पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रवेश को लेकर कांग्रेस और RLP कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। भाजपा विधायक शंकर सिंह रावत ने मतदान प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी की ओर से आपत्ति जताए जाने की बात कही। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरियर के अंदर प्रवेश को लेकर धक्का-मुक्की का आरोप लगाया। रालोपा कार्यकर्ताओं के साथ भी प्रवेश को लेकर विवाद की स्थिति बनी। स्थिति को देखते हुए ब्यावर पुलिस और आरएसी के जवानों ने मोर्चा संभाला। पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र पारीक की मौजूदगी में पुलिस प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित किया और मतदान प्रक्रिया को

शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया।

शहर के विकास को बताया प्राथमिकता

नवनिर्वाचित सभापति पुष्पा बल्दुआ ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था, बिजली, पानी, सड़क और नालियों सहित मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी पार्षदों और शहरवासियों के सहयोग से ब्यावर के विकास कार्यों को गति देने का प्रयास किया जाएगा। जीत के बाद उन्होंने शहरवासियों का आभार जताया।चाहें तो इसे मैं दैनिक जलते दीप अखबार की शैली में और ज्यादा दमदार मुख्य शीर्षक व उपशीर्षक के साथ भी तैयार कर सकता हूं।

भीलवाड़ा जिले की 10 नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद के नतीजे, भाजपा 7 और कांग्रेस 3 निकायों में काबिज

मांडलगढ़, बिजोलिया, बीगोद, बनेड़ा, जहाजपुर, गुलाबपुरा और आसींद में भाजपा के अध्यक्ष, गंगापुर, हमीरगढ़ और शाहपुरा में कांग्रेस ने दर्ज की जीत

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । जिले की 10 नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद के चुनाव के परिणाम सोमवार को घोषित हुए। अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा ने 7 नगर पालिकाओं में जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 3 नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद मिला। कई निकायों में अध्यक्ष पद का चुनाव पार्षदों के मूल दलगत आंकड़ों से अलग परिणाम लेकर आया। वहीं बनेड़ा में भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों को बराबर 10-10 वोट मिलने के बाद लॉटरी से अध्यक्ष पद का फैसला हुआ।

मांडलगढ़ में श्वेता डांगी निर्वाचित

मांडलगढ़ में भाजपा की श्वेता डांगी नगर पालिका अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। श्वेता डांगी को 12 वोट मिले। निर्दलीय जूली ओस्तवाल को 6 और कांग्रेस की जहरा फातिमा को 2 वोट मिले।

बिजोलिया में स्नेहा तिवारी की एक वोट से जीत

बिजोलिया में भाजपा की स्नेहा तिवारी ने कांग्रेस की भूमिका सुवालका को एक वोट से हराया। स्नेहा तिवारी को 13 और भूमिका सुवालका को 12 वोट मिले। इस परिणाम के साथ स्नेहा तिवारी बिजोलिया नगर पालिका की अध्यक्ष निर्वाचित हुईं।

बीगोद में लोकेश नागौरी अध्यक्ष

बीगोद नगर पालिका में भाजपा के लोकेश नागौरी अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्हें कुल 16 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी को 6 तथा निर्दलीय प्रत्याशी को 3 वोट मिले। पार्षद चुनाव में भाजपा को 12, कांग्रेस को 6 और निर्दलीयों को 7 सीटें मिली थीं।

बनेड़ा में बराबरी के बाद लॉटरी से फैसला

बनेड़ा में अध्यक्ष पद का मुकाबला बेहद करीबी रहा। भाजपा के गोपाल चरण (राजाधिराज) और कांग्रेस के बाबूलाल माली को 10-10 वोट मिले। बराबरी की स्थिति में लॉटरी से फैसला किया गया, जिसमें भाजपा के गोपाल चरण के पक्ष में परिणाम आया और वे नगर पालिका अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

जहाजपुर में अल्केश वैष्णव की जीत

जहाजपुर में भाजपा की अल्केश वैष्णव ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। उन्हें 23 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद देवी शर्मा को 2 वोट मिले।

गुलाबपुरा में विष्णु देवी वैष्णव एक वोट से जीतीं

गुलाबपुरा में भाजपा की विष्णु देवी वैष्णव ने कांग्रेस की रजनी तोषनीवाल को एक वोट से हराया। विष्णु देवी वैष्णव को 18 और रजनी तोषनीवाल को 17 वोट मिले।

आसींद में सत्येंद्र सिंह चौहान निर्वाचित

आसींद नगर पालिका अध्यक्ष पद पर भाजपा के सत्येंद्र सिंह चौहान निर्वाचित हुए। उन्हें 17 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 8 वोट मिले।

गंगापुर में कांग्रेस की प्रीति काकाणी

गंगापुर नगर पालिका में कांग्रेस की प्रीति काकाणी ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। प्रीति काकाणी को 15 वोट मिले, जबकि भाजपा की विकल सिंघवी को 10 वोट मिले।

हमीरगढ़ में प्रकाश जाट ने कांग्रेस को दिलाई जीत

हमीरगढ़ नगर पालिका में कांग्रेस के प्रकाश जाट अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्हें 12 वोट मिले, जबकि भाजपा की रेखा परिहार को 8 वोट मिले। रेखा परिहार पूर्व पालिकाध्यक्ष रह चुकी हैं।

शाहपुरा में रमेश सैन एक वोट से जीते

शाहपुरा नगर पालिका अध्यक्ष पद पर कांग्रेस के रमेश सैन ने 18 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। निर्दलीय प्रत्याशी बालमुकुंद तोषनीवाल को 17 वोट मिले। इस तरह शाहपुरा में भी अध्यक्ष पद का फैसला महज एक वोट के अंतर से हुआ।

भीलवाड़ा जिले की नगर पालिकाओं का परिणाम एक नजर में

नगर पालिका : निर्वाचित अध्यक्ष : दल
मांडलगढ़ : श्वेता डांगी : भाजपा
बिजोलिया : स्नेहा तिवारी : भाजपा
बीगोद : लोकेश नागौरी : भाजपा
बनेड़ा : गोपाल चरण (राजाधिराज) : भाजपा
जहाजपुर : अल्केश वैष्णव : भाजपा
गुलाबपुरा : विष्णु देवी वैष्णव : भाजपा
आसींद : सत्येंद्र सिंह चौहान : भाजपा
गंगापुर : प्रीति काकाणी : कांग्रेस
हमीरगढ़ : प्रकाश जाट : कांग्रेस
शाहपुरा : रमेश सैन : कांग्रेस

10 नगर पालिकाओं में भाजपा के 7, कांग्रेस के 3 अध्यक्ष

इस प्रकार भीलवाड़ा जिले की 10 नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा के 7 और कांग्रेस के 3 अध्यक्ष निर्वाचित हुए। परिणामों में मांडलगढ़, बिजोलिया, गुलाबपुरा और शाहपुरा में करीबी मुकाबले देखने को मिले, जबकि बनेड़ा में बराबरी के बाद लॉटरी से अध्यक्ष पद का फैसला हुआ।

पीपलू नगरपालिका में भाजपा का परचम, 13 पार्षदों के दम पर रमेश वर्मा बने पहले अध्यक्ष

भाजपा के 13, कांग्रेस के 7 पार्षद–अध्यक्ष पद पर भाजपा का कब्जा, कार्यकर्ताओं में जश्न

स्मार्ट हलचल

पीपलू । नगरपालिका के प्रथम अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा के रमेश वर्मा ने जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। नगरपालिका के गठन के बाद हुए पहले अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा ने अपना दबदबा कायम करते हुए अध्यक्ष पद पर क ब्जा जमाया। नगरपालिका में भाजपा के13 पार्षद और कांग्रेस के 7 पार्षद हैं। भाजपा के रमेश वर्मा के अध्यक्ष निर्वाचित होते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और जीत का जश्न मनाया। अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर सुबह से ही पीपलू में राजनीतिक सरगर्मी बनी हुई थी। परिणाम सामने आने के बाद भाजपा समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने इसे पार्टी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए शहर के विकास और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने की बात कही।

घर-घर गंगाजल पहुंचे, गंगा संरक्षण का संदेश जन-जन तक जाए : मोहम्मद फैज खान

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना के 'घर-घर गंगाजल अभियान' को लेकर गो कथा वाचक एवं गो भक्त मोहम्मद फैज खान ने आमजन से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गंगा भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना की पवित्र धरोहर है। गंगाजल को घर-घर पहुंचाने के साथ गंगा स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना भी जरूरी है। राष्ट्रीय संरक्षक भंवर सिंह पलाड़ा की प्रेरणा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सोनी के नेतृत्व में संचालित अभियान के तहत प्रथम चरण में मठ-मंदिरों और संत-महात्माओं तक गंगाजल पहुंचाया जा रहा है। अभियान संयोजक नाहर सिंह चुंडावत ने बताया कि आगामी चरण में अधिक से अधिक परिवारों तक गंगाजल पहुंचाने का लक्ष्य है। मोहम्मद फैज खान ने कहा कि गंगाजल घर तक पहुंचाना श्रद्धा का विषय है, लेकिन गंगा को स्वच्छ एवं संरक्षित रखना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और घर-घर जाकर जल संरक्षण, स्वच्छता एवं गंगा की महत्ता के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया।

भजनों की गूंज के बीच तेजाजी महाराज को चढ़ाया ध्वज

श्रीमद्भागवत प्रभात फेरी परिवार ने निकाली ध्वज यात्रा, जिले की खुशहाली व समृद्धि की मांगी मन्नत

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। भादव सुदी दशमी के अवसर पर श्रीमद्भागवत प्रभात फेरी परिवार की ओर से तेजाजी महाराज के मेले में श्रद्धापूर्वक ध्वज चढ़ाया गया। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने ब्यावर जिले की खुशहाली, प्रगति, समृद्धि एवं जिलेवासियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। ध्वज यात्रा रघुनाथ जी के बड़े मंदिर से ढोल-नगाड़ों के साथ रवाना हुई। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए तेजाजी महाराज के थान पहुंची। यात्रा में शामिल श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए और तेजाजी महाराज के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। नाचते-गाते श्रद्धालुओं के कारण पूरे मार्ग पर भक्तिमय वातावरण बना रहा। तेजाजी महाराज के थान पर पहुंचने के बाद विधि-विधान से ध्वज चढ़ाया गया। परिवार की ओर से चूरमा एवं नारियल का प्रसाद भी अर्पित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिवार के सदस्य, श्रद्धालु एवं शहरवासी शामिल हुए। इस अवसर पर तेजाजी थान के पुजारी ने प्रभात फेरी परिवार के सदस्यों एवं संयोजक संजय घीया का माला पहनाकर स्वागत किया। परिवार के सदस्यों ने तेजाजी महाराज से ब्यावर सहित समस्त जिलेवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

15 साल बाद गंगापुर सिटी नगर परिषद में तख्ता पलट, कांग्रेस का बोर्ड

कृष्ण कुमार गोयल 'कुबेर' बने नए सभापति, भाजपा के विजय गुप्ता को हराया; कांग्रेस को मिले 37 वोट

गंगापुर सिटी । नगर परिषद गंगापुर सिटी की राजनीति में सोमवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। सभापति पद के चुनाव में कांग्रेस के कृष्ण कुमार गोयल 'कुबेर' ने भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार गुप्ता को हराकर सभापति पद पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही नगर परिषद में करीब 15 साल बाद कांग्रेस का बोर्ड बनने का रास्ता साफ हो गया। चुनाव से पहले 60 वार्डों के परिणाम में कांग्रेस के 27, भाजपा के 17 और निर्दलीय 16 पार्षद निर्वाचित हुए थे। सभापति चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कृष्ण कुमार गोयल 'कुबेर' के पक्ष में 37 पार्षदों ने मतदान किया, जिससे उन्होंने बहुमत हासिल कर सभापति पद अपने नाम किया। भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार गुप्ता को पराजय का सामना करना पड़ा। सभापति पद के लिए मुख्य मुकाबला कांग्रेस के वार्ड 30 पार्षद कृष्ण कुमार गोयल 'कुबेर' और भाजपा के वार्ड 57 पार्षद विजय कुमार गुप्ता के बीच था। नगर परिषद के 60 वार्डों में कांग्रेस 27 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई थी, जबकि भाजपा को 17 और निर्दलीय प्रत्याशियों को 16 सीटें मिली थीं। बहुमत के लिए 31 पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता थी। ऐसे में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। कृष्ण कुमार गोयल 'कुबेर' के सभापति निर्वाचित होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। वहीं कांग्रेस की इस सफलता को गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीणा की चुनावी रणनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है। सभापति चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में 37 वोट पड़ना इस राजनीतिक समीकरण में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मांडलगढ़ में भाजपा की श्वेता डांगी बनीं पालिकाध्यक्ष

20 पार्षदों ने किया मतदान, श्वेता को 12 वोट निर्दलीय जूली ओस्तवाल को 6 और कांग्रेस की जहरा फातिमा को 2 मत

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़ । मांडलगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी श्वेता डांगी पालिकाध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। सोमवार को हुए मतदान में नगर पालिका के सभी 20 निर्वाचित पार्षदों ने मतदान किया। श्वेता डांगी को 12 मत मिले, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी जूली ओस्तवाल को 6 और कांग्रेस प्रत्याशी जहरा फातिमा को 2 मत मिले। श्वेता डांगी ने जूली ओस्तवाल को 6 मतों के अंतर से पराजित कर अध्यक्ष पद हासिल किया।

मांडलगढ़ नगर पालिका में कुल 20 वार्ड हैं और अध्यक्ष पद के चुनाव में बहुमत के लिए 11 मत आवश्यक थे। हाल ही में हुए पार्षद चुनाव में भाजपा ने 11 वार्डों में जीत दर्ज की थी। निर्दलीय प्रत्याशियों ने 7 और कांग्रेस ने 2 वार्डों में जीत हासिल की थी। इस तरह भाजपा के पास बोर्ड में स्पष्ट बहुमत था।

तीन प्रत्याशियों के बीच हुआ मुकाबला

अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान शुरुआत में पांच नामांकन दाखिल हुए थे। भाजपा की ओर से श्वेता डांगी, अनीता सुराणा और भारती व्यास, कांग्रेस की ओर से जहरा फातिमा तथा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जूली ओस्तवाल ने नामांकन दाखिल किया था। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान अनीता सुराणा और भारती व्यास के नामांकन निरस्त हो गए। इसके बाद अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में रह गए। नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी तीनों प्रत्याशियों ने चुनाव मैदान में अपनी दावेदारी कायम रखी। सोमवार को हुए मतदान में भाजपा की श्वेता डांगी, कांग्रेस की जहरा फातिमा और निर्दलीय जूली ओस्तवाल के बीच मुकाबला हुआ।

भाजपा के पास था बहुमत

मांडलगढ़ नगर पालिका के 20 वार्डों के चुनाव परिणाम में भाजपा ने 11 वार्ड जीतकर बोर्ड में बहुमत हासिल किया था। निर्दलीय प्रत्याशियों ने 7 और कांग्रेस ने 2 वार्डों में जीत दर्ज की थी।

पार्टीवार स्थिति
भाजपा – 11 सीट
निर्दलीय – 7 सीट
कांग्रेस – 2 सीट
कुल – 20 सीट

अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा ने अपने बहुमत के अनुरूप श्वेता डांगी को अधिकृत प्रत्याशी बनाया था। मतदान के बाद श्वेता डांगी ने 12 मत हासिल कर पालिकाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की।

वार्ड 9 से पार्षद बनी थीं श्वेता अध्यक्ष निर्वाचित हुईं श्वेता डांगी मांडलगढ़ नगर पालिका के वार्ड संख्या 9 से भाजपा के टिकट पर पार्षद निर्वाचित हुई थीं। वार्ड चुनाव में उन्हें 192 मत मिले थे और उन्होंने 68 मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। उनकी उम्र 49 वर्ष है।

पति भी रह चुके हैं पालिकाध्यक्ष

श्वेता डांगी के पालिकाध्यक्ष निर्वाचित होने के साथ उनके परिवार का नगर पालिका अध्यक्ष पद से जुड़ा एक और अध्याय जुड़ गया है। उनके पति संजय डांगी पूर्व में मांडलगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके हैं। संजय डांगी ने फरवरी 2024 में नगर पालिका अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला था। अब पति के बाद पत्नी के पालिकाध्यक्ष बनने से डांगी परिवार एक बार फिर मांडलगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर पहुंचा है। श्वेता डांगी गृहिणी हैं।

सामान्य महिला के लिए आरक्षित था अध्यक्ष पद

मांडलगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष पद को इस बार सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित किया गया था। चुनाव मैदान में भाजपा की श्वेता डांगी, कांग्रेस की जहरा फातिमा और निर्दलीय जूली ओस्तवाल तीनों महिला प्रत्याशी थीं।

11 सितंबर को हुआ था पार्षदों का चुनाव

मांडलगढ़ नगर पालिका के 20 वार्डों के लिए 11 सितंबर को मतदान हुआ था। चुनाव में कुल 79 प्रत्याशी मैदान में थे। 14 सितंबर को हुई मतगणना में भाजपा ने 11 वार्डों में जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 2 और निर्दलीयों को 7 सीटें मिलीं। मतदान प्रतिशत 85.99 प्रतिशत रहा था। पार्षद चुनाव परिणाम के बाद अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। नामांकन जांच में दो भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन निरस्त होने के बाद श्वेता डांगी, जहरा फातिमा और जूली ओस्तवाल के बीच मुकाबला रह गया। नाम वापसी की अवधि समाप्त होने के बाद तीनों प्रत्याशियों के बीच अध्यक्ष पद के लिए मतदान हुआ।

अध्यक्ष चुनाव का अंतिम परिणाम
श्वेता डांगी – भाजपा – 12 वोट
जूली ओस्तवाल – निर्दलीय – 6 वोट
जहरा फातिमा – कांग्रेस – 2 वोट
कुल मतदान – 20 वोट
बहुमत का आंकड़ा – 11 वोट
जीत का अंतर – 6 वोट

इस तरह श्वेता डांगी ने 12 मत हासिल कर मांडलगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। उनके निर्वाचन के साथ अब 20 सदस्यीय नगर पालिका बोर्ड की कमान भाजपा के हाथों में है।

मांडलगढ़ पालिका अध्यक्ष चुनाव : एक नजर में
विजेता – श्वेता डांगी
पार्टी – भाजपा
उम्र – 49 वर्ष
वार्ड – 9
मिले वोट – 12
निकटतम प्रतिद्वंद्वी – जूली ओस्तवाल, निर्दलीय
जूली ओस्तवाल – 6 वोट
जहरा फातिमा – 2 वोट
जीत का अंतर – 6 वोट
कुल मतदान – 20 पार्षद
कुल वार्ड – 20
बहुमत का आंकड़ा – 11 वोट
बोर्ड की स्थिति – भाजपा 11, निर्दलीय 7, कांग्रेस 2
अध्यक्ष पद – सामान्य महिला
परिचय – गृहिणी
पति – संजय डांगी, पूर्व पालिकाध्यक्ष

बांदनवाड़ा टोल पर अंधाधुंध फायरिंग से मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा) बांदलवाड़ा-स्कॉर्पियो में सवार होकर आए अज्ञात हमलावरों ने टोल इंचार्ज की खिड़की पर की फायरिंग, अचानक हुई फायरिंग से टोल पर मची अफरा-तफरी, गनीमत रही कि फायरिंग में कोई जनहानि नहीं हुई वारदात के बाद हमलावर मौके पर स्कॉर्पियो छोड़कर फरार, सूचना मिलते ही सरवाड़, केकड़ी और भिनाय पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस ने मौके से वाहन को कब्जे में लेकर शुरू की जांच, एक युवक को हिरासत में लिए जाने की भी जानकारी, पुलिस हमलावरों की तलाश और फायरिंग के कारणों की जांच में जुटी

गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के गरबा महोत्सव-2026 के पोस्टर का विमोचन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिला गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज समारोह आयोजन समिति, भीलवाड़ा के तत्वावधान में शनिवार को बापूनगर स्थित गौतम धाम में वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज, भीलवाड़ा के तत्वावधान में कृषि मंडी रोड स्थित महर्षि गौतम शिक्षण संस्थान में आगामी 15 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले पांच दिवसीय गरबा महोत्सव-2026 के पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर विमोचन के अवसर पर गोपाल बच्छ, सत्यनारायण डिडवानिया, कैलाश जोशी, मनोहरकृष्ण चौबे, कांतिचंद व्यास, आर.पी. शर्मा, चेतन चौबे, आर.एम. शर्मा, भगवती प्रसाद शर्मा, प्रकाश जोशी, भवानी शंकर शर्मा सहित समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। समिति सदस्य योगेश व्यास एवं मुकेश त्रिपाठी ने बताया कि गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा पिछले पांच वर्षों से निरंतर गरबा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की विशेषता यह है कि गरबा कार्यक्रम भजन, गुजराती गीतों एवं सांस्कृतिक गीतों पर आधारित रहता है तथा प्रतिभागियों को पारंपरिक वेशभूषा में ही गरबा खेलने की अनुमति दी जाती है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में यह आयोजन समाज के बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं परिवारों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बन गया है। नवरात्रि के दौरान समाज के लोगों को हर वर्ष इस गरबा महोत्सव का बेसब्री से इंतजार रहता है। आयोजन में पारिवारिक वातावरण, भारतीय संस्कृति एवं सुरक्षित माहौल को विशेष प्राथमिकता दी जाती है, जिसके कारण समाज के सभी वर्ग उत्साहपूर्वक इसमें भाग लेते हैं। पिछले 5सालों से ये आयोजन 4दिवसीय आयोजित होता था, इस साल समाज के बच्चे बच्चियों व महिलाओं की मांग पर 5दिवसीय किया गया है। समिति सदस्यों रंजीत शर्मा व सौरभ त्रिवेदी ने बताया कि इस वर्ष भी गरबा महोत्सव को भव्य एवं सांस्कृतिक स्वरूप देने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन में समाज के बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं परिवारों की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक गरबा की भावना को प्रमुखता दी जाएगी।

बीगोद में लोकेश नागौरी बने नगर पालिका के पहले अध्यक्ष

भाजपा के 12 पार्षद, अध्यक्ष चुनाव में लोकेश को मिले 16 वोट; कांग्रेस को 6 और निर्दलीय को 3 मत

स्मार्ट हलचल

बीगोद। बीगोद नगर पालिका के प्रथम अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा के लोकेश कुमार नागौरी निर्वाचित हुए हैं। सोमवार को हुए अध्यक्ष पद के चुनाव में लोकेश नागौरी को 16 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 6 और निर्दलीय प्रत्याशी हमीद को 3 वोट मिले। कुल 25 पार्षदों ने मतदान किया। इस तरह लोकेश नागौरी ने 10 मतों के अंतर से अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। बीगोद नगर पालिका में कुल 25 वार्ड हैं। पार्षद चुनाव में भाजपा ने 12 सीटें, कांग्रेस ने 6 सीटें और निर्दलीय प्रत्याशियों ने 7 सीटें जीती थीं। 25 सदस्यीय बोर्ड में अध्यक्ष पद के लिए बहुमत का आंकड़ा 13 था। भाजपा के पास 12 पार्षद होने के बावजूद अध्यक्ष पद के मतदान में पार्टी प्रत्याशी लोकेश नागौरी को 16 मत प्राप्त हुए।

भाजपा के 12 पार्षदों के मुकाबले लोकेश को मिले 16 वोट

पार्षद चुनाव में भाजपा के खाते में 12 सीटें आई थीं। अध्यक्ष चुनाव में लोकेश नागौरी को 16 मत मिलने से उनके पक्ष में भाजपा के निर्वाचित पार्षदों की संख्या से अधिक मत पड़े। कांग्रेस प्रत्याशी को 6 और निर्दलीय प्रत्याशी हमीद को 3 मत मिले। इस तरह 25 सदस्यीय बोर्ड में अध्यक्ष पद का चुनाव 16-6-3 के परिणाम के साथ समाप्त हुआ और लोकेश नागौरी बीगोद नगर पालिका के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

वार्ड 7 से पार्षद बने थे लोकेश नागौरी

लोकेश कुमार नागौरी बीगोद नगर पालिका के वार्ड नंबर 7 से भाजपा के पार्षद निर्वाचित हुए थे। वार्ड चुनाव में उन्हें 275 वोट मिले थे और उन्होंने 136 मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। अब पार्षद के रूप में जीत दर्ज करने के बाद लोकेश नागौरी ने अध्यक्ष पद का चुनाव भी जीत लिया है।

तीन प्रत्याशियों के बीच हुआ अध्यक्ष पद का चुनाव

अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा की ओर से लोकेश कुमार नागौरी, कांग्रेस की ओर से मनुड़ी कुमारी गुर्जर तथा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में हमीद मैदान में थे। मतदान के बाद हुई मतगणना में लोकेश नागौरी को 16, कांग्रेस प्रत्याशी को 6 और निर्दलीय प्रत्याशी हमीद को 3 मत मिले।

बीगोद नगर पालिका के पहले अध्यक्ष बने

बीगोद नगर पालिका के गठन के बाद हुए पहले अध्यक्ष पद के चुनाव में लोकेश कुमार नागौरी ने जीत दर्ज की है। अध्यक्ष पद के चुनाव में सभी 25 पार्षदों ने मतदान किया और बहुमत के लिए 13 मत आवश्यक थे। लोकेश नागौरी ने 16 मत प्राप्त कर बहुमत के आंकड़े को पार किया।

लोकेश नागौरी का परिचय
नामः लोकेश कुमार नागौरी
उम्रः 55 वर्ष
वार्डः 7
दलः भाजपा
व्यवसायः उद्योगपति
शैक्षणिक योग्यताः 11वीं
राजनीतिक अनुभवः पहली बार निर्वाचित
विशेष पहचानः सामाजिक सक्रियता और जनसेवा
संपत्तिः लगभग 3.50 करोड़ रुपये

बीगोद बोर्ड का चुनावी गणित
कुल वार्ड – 25
बहुमत का आंकड़ा – 13
भाजपा – 12 सीटें
निर्दलीय – 7 सीटें
कांग्रेस – 6 सीटें
कुल – 25 सीटें

अध्यक्ष चुनाव का परिणाम
लोकेश कुमार नागौरी – भाजपा – 16 वोट
मनुड़ी कुमारी गुर्जर – कांग्रेस – 6 वोट
हमीद – निर्दलीय – 3 वोट
कुल मतदान – 25 वोट
जीत का अंतर – 10 वोट

मांडल के रावों का खेड़ा में पोल से बांधकर मारपीट का मामला

वायरल वीडियो के बाद पुलिस का कड़ा एक्शन, महिला सहित 5 आरोपी गिरफ्तार

घर में घुसकर महिला व पुत्र से की थी बर्बरता, मांगे थे 9 लाख रुपए व जमीन के कागजात; पूर्व में महिला भगाने की रंजिश में दिया था वारदात को अंजाम

स्मार्ट हलचल

मांडल/भीलवाड़ा (स्मार्ट हलचल)। मांडल थाना क्षेत्र के ग्राम रावों का खेड़ा में एक परिवार के सदस्यों को बिजली के पोल (खंभे) से बांधकर बेरहमी से मारपीट करने और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सहाड़ा) बुद्धराज एवं पुलिस उपाधीक्षक (मांडल) राहुल जोशी के सुपरविजन में थानाधिकारी गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने इस सनसनीखेज वारदात का पर्दाफाश किया।

घर में घुसकर की मारपीट, पोल से बांधकर मांगे 9 लाख व जमीन के कागजात

पुलिस के अनुसार, 19 सितंबर 2026 को पीड़िता शांति देवी (56) पत्नी नंदलाल राव (निवासी रावों का खेड़ा) ने मांडल थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने एकराय होकर उनके घर में जबरन प्रवेश किया और पीड़िता, उनके पुत्र व परिवारजनों के साथ गंभीर मारपीट की। इसके बाद वे उन्हें घसीटकर घर से बाहर ले गए और बिजली के पोल से बांधकर लाठियों से पीटा तथा जमीन के कागजात व 9 लाख रुपये की मांग की। पुलिस ने रिपोर्ट पर विभिन्न धाराओं (115(2), 126(2), 333, 79, 189(2), 127(2), 308(2) बीएनएस) में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान उपनिरीक्षक देवलाल के सुपुर्द किया।

महिला को भगाने की पुरानी रंजिश बनी हमले की वजह

पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि दोनों पक्ष एक ही समाज (राव) के हैं। इससे पूर्व 16 सितंबर को आरोपी पक्ष के हिम्मत सिंह राव ने रिपोर्ट दी थी कि पीड़िता का पुत्र सुरेश राव उसकी मानसिक रूप से अस्वस्थ बहन गंगा देवी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया और बंधक बना रखा है, जिस पर धारा 87 बीएनएस में मामला दर्ज है। वहीं, पूर्व में पीड़िता के बड़े पुत्र कैलाश राव द्वारा भी गांव की एक महिला को भगा ले जाने का मामला हुआ था। इसी रंजिश और आक्रोश के चलते आरोपियों ने कानून हाथ में लेते हुए घर में घुसकर बंधक बनाया और पोल से बांधकर मारपीट की वारदात को अंजाम दिया।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरणः
सज्जन सिंह पिता अग्रसिंह राव (निवासी लाछूड़ा, थाना आसींद)
लादूलाल (74) पिता चुन्नीलाल राव (निवासी लाछूड़ा, थाना आसींद)
गोपाल सिंह (62) पिता बालू सिंह राव (निवासी लाछूड़ा, थाना आसींद)
चैन सिंह (70) पिता भैरू सिंह राव (निवासी रावों का खेड़ा, थाना मांडल)
श्रीमती लाड देवी (60) पत्नी चैन सिंह राव (निवासी रावों का खेड़ा, थाना मांडल)

(नोटः प्रकरण में पूर्व में हिम्मत सिंह व लक्ष्मण सिंह को धारा 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार किया जा चुका है।)

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम

वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर धरपकड़ करने वाली टीम में मांडल थानाधिकारी गजेंद्र सिंह (पु.नि.), अनुसंधान अधिकारी देवलाल (उ.नि.), हेड कांस्टेबल श्याम सुंदर सिंह (1496), कांस्टेबल सर्जेश कुमार (592), रमेश कुमार (1827) एवं रामदेव (90) शामिल रहे। पुलिस टीम द्वारा प्रकरण में संलिप्त अन्य शेष आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

उनियारा नगरपालिका अध्यक्ष चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत,

कांग्रेस पार्टी के नरेश कुमार गुर्जर 4 वोट से विजयी, भाजपा प्रत्याशी अभय सिंह शक्तावत को मिले 8 मत

टोंक/उनियारा। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव के तहत सोमवार को हुए उनियारा नगरपालिका अध्यक्ष पद केचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी नरेश कुमार गुर्जर ने जीत दर्ज की। रिटर्निंग अधिकारी (एसडीएम) उनियारा कार्यालय से उपलब्ध चुनाव परिणाम के अनुसार नरेश कुमार गुर्जर को 12 मत, जबकि भाजपा प्रत्याशी अभय सिंह शक्तावत को 8 मत प्राप्त हुए। इस तरह नरेश कुमार गुर्जर ने 4 मतों के अंतर से जीत हासिल की। परिणाम घोषित होते ही कांग्रेस समर्थकों और नरेश गुर्जर के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष को बधाई देते हुए जीत का जश्न मनाया। निर्वाचन के बाद रिटर्निंग अधिकारी (एसडीएम) उनियारा सुमन गुर्जर ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेश कुमार गुर्जर को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने का प्रमाण-पत्र सौंपा।

लगातार दूसरी बार पालिकाध्यक्ष बने नरेश गुर्जर

नरेश कुमार गुर्जर का यह लगातार दूसरी बार पालिकाध्यक्ष के रूप में निर्वाचन है। इससे पहले उनकी धर्मपत्नी मोनिका गुर्जर नगरपालिका अध्यक्ष रह चुकी हैं। अब नरेश कुमार गुर्जर ने स्वयं दूसरी बार अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की है। राजस्थान में 21 सितंबर को नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिकाओं के अध्यक्ष/सभापति पदों के लिए मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के तहत संपन्न हुई। इसी क्रम में उनियारा नगरपालिका अध्यक्ष पद पर कांग्रेस प्रत्याशी नरेश कुमार गुर्जर निर्वाचित हुए।

लीकेज ही लीकेजः जब रिसाव पाइपलाइन से निकलकर व्यवस्था तक पहुंच जाए

पानी की एक बूंद का रिसाव दिखाई देता है, लेकिन व्यवस्था, राजनीति, समाज और रिश्तों से रिसता भरोसा अक्सर तब दिखता है, जब बहुत कुछ बह चुका होता है....

स्मार्ट हलचल

महेन्द्र नागौरी/ लीकेज शब्द सुनते ही सबसे पहले आंखों के सामने पानी की टूटी पाइपलाइन आती है। सड़क पर बहता पानी, गड्ढों में जमा होता कीचड़, घरों तक कम पहुंचता पानी और शिकायतों के बावजूद टपकती पाइपलाइन–यह हमारे शहरों की जानी-पहचानी तस्वीर है।

लेकिन क्या लीकेज केवल पाइपलाइन में होता है?

नहीं। लीकेज एक पाइप से निकलकर अब हमारी पूरी व्यवस्था में फैल चुका है। राजनीति में विश्वास का लीकेज है, प्रशासन में जवाबदेही का लीकेज है, अर्थव्यवस्था में संसाधनों के उपयोग का लीकेज है, सामाजिक जीवन में संवेदनाओं का लीकेज है और परिवारों में संवाद का लीकेज है। फर्क सिर्फ इतना है कि पानी का लीकेज सड़क पर दिखाई देता है, जबकि व्यवस्था का लीकेज आंकड़ों, फाइलों, व्यवहार और लोगों के घटते भरोसे में दिखाई देता है।

सबसे बड़ा रिसाव पानी का नहीं, भरोसे का है

किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी क्या है?

सड़कें, इमारतें, योजनाएं और बजट निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनके ऊपर एक अदृश्य पूंजी खड़ी होती है–जनता का भरोसा।

जब नागरिक को लगता है कि उसकी शिकायत सुनी जाएगी, नियम सभी के लिए समान हैं, सार्वजनिक धन का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए होगा और जिम्मेदार व्यक्ति से जवाब मांगा जाएगा, तब व्यवस्था मजबूत होती है।

लेकिन जब शिकायत बार-बार करने के बावजूद समाधान नहीं मिलता, जिम्मेदारी इधर से उधर जाती रहती है और गलती के बाद भी जवाबदेही तय नहीं होती, तब भरोसा थोड़ा-थोड़ा रिसने लगता है।

यह रिसाव अचानक दिखाई नहीं देता।

यह बूंद-बूंद होता है।

और एक दिन पता चलता है कि टैंक खाली है।

राजनीति में घोषणाओं की पाइपलाइन, उम्मीदों का लीकेज

लोकतंत्र में राजनीति जनता की आकांक्षाओं को शासन तक पहुंचाने का माध्यम है। चुनाव घोषणाएं, नीतियां और विकास के वादे इसी प्रक्रिया का हिस्सा हैं। लेकिन असली कसौटी घोषणा नहीं, उसका क्रियान्वयन है।

कागज पर बनी योजना जमीन तक पहुंचते-पहुंचते कमजोर पड़ जाए, नागरिक को बार-बार एक ही कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ें या वादा और परिणाम के बीच लंबी दूरी पैदा हो जाए तो सवाल सिर्फ सरकार या किसी दल का नहीं रहता।

सवाल पूरी सार्वजनिक व्यवस्था की कार्यक्षमता का बन जाता है।

घोषणा करना आसान है, उसकी अंतिम बूंद तक लाभ पहुंचाना कठिन।

यही वह जगह है जहां व्यवस्था को अपने 'लीकेज प्वाइंट' तलाशने पड़ते हैं।

प्रशासन में सबसे खतरनाक लीकेज–जवाबदेही का

एक नागरिक शिकायत करता है।

शिकायत आगे भेजी जाती है।

फिर निरीक्षण होता है।

फिर रिपोर्ट बनती है।

फिर फाइल आगे बढ़ती है।

फिर टिप्पणी आती है–'आवश्यक कार्रवाई की जाए।'

लेकिन नागरिक का सवाल वहीं खड़ा रहता है–कार्रवाई हुई कब?

यह स्थिति किसी एक विभाग या किसी एक शहर की कहानी नहीं है। जहां प्रक्रियाएं परिणाम पर भारी पड़ने लगती हैं, वहां प्रशासनिक लीकेज पैदा होता है।

इसका इलाज केवल नई समितियां या नए आदेश नहीं हैं।

जरूरत है स्पष्ट जिम्मेदारी, समयसीमा, निगरानी और परिणाम आधारित जवाबदेही की।

जिस अधिकारी या संस्था के पास निर्णय का अधिकार है, उसके पास परिणाम की जिम्मेदारी भी होनी चाहिए।

सार्वजनिक धन का लीकेज केवल भ्रष्टाचार नहीं

'लीकेज' शब्द को अक्सर सीधे भ्रष्टाचार से जोड़ दिया जाता है। लेकिन इसका दायरा इससे कहीं बड़ा है।

किसी परियोजना में अनावश्यक देरी से लागत बढ़ना भी संसाधनों का लीकेज है।

खराब निर्माण के कारण बार-बार मरम्मत पर पैसा खर्च होना भी लीकेज है।

ऐसी योजना बनाना जिसका उपयोग ही कम हो, सार्वजनिक संसाधनों का लीकेज है।

एक ही जानकारी कई कार्यालयों में बार-बार तैयार करना समय का लीकेज है।

और किसी योग्य व्यक्ति तक योजना का लाभ न पहुंच पाना अवसर का लीकेज है।

देश की प्रगति केवल यह देखने से नहीं मापी जा सकती कि कितना खर्च हुआ; यह भी देखना होगा कि खर्च का वास्तविक परिणाम कितना निकला।

समाज में संवेदनाओं का लीकेज

तकनीक ने हमें जोड़ा है, लेकिन क्या उसने हमें करीब भी किया है?

एक ही घर में बैठे लोग अलग-अलग स्क्रीन पर व्यस्त हैं। पड़ोसी का हाल जानने के लिए कभी-कभी सोशल मीडिया जरूरी हो गया है। समाज में संवाद की जगह प्रतिक्रिया ने ले ली है।

असहमति अब संवाद का कारण कम और टकराव का कारण अधिक बनती दिखाई देती है।

यह भी एक तरह का सामाजिक लीकेज है–संवाद का रिसाव।

जब बातचीत खत्म होती है, तो गलतफहमियां जगह भर देती हैं।

जब भरोसा कम होता है, तो संदेह बढ़ता है।

जब संवेदना कम होती है, तो समाज में दूरी बढ़ती है।

चित्तौड़गढ़ में सभापति चुनाव के बीच निर्दलीय पार्षद मो. इरशाद ने थामा 'हाथ': कांग्रेस के पक्ष में किया मतदान, पार्टी की ली सदस्यता

पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत सहित शीर्ष नेताओं ने उपरना पहनाकर किया स्वागत; इरशाद बोले-'कांग्रेस की विचारधारा व विकास नीतियों से प्रभावित होकर लिया निर्णय...

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । नगर परिषद चित्तौड़गढ़ के सभापति चुनाव की सियासी गहमागहमी के बीच वार्ड नंबर 41 से निर्वाचित निर्दलीय पार्षद मो. इरशाद उर्फ भय्यू ने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। पार्षद इरशाद ने सभापति पद के चुनाव में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया और इसके पश्चात पार्टी की रीति-नीति एवं जनहितैषी विचारधारा में आस्था व्यक्त करते हुए औपचारिक रूप से कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। उनके कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी खेमे में उत्साह है और संगठनात्मक स्तर पर इसे बड़ी मजबूती माना जा रहा है।

?वरिष्ठ नेताओं ने उपरना ओढ़ाकर कराया पार्टी प्रवेश

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चित्तौड़गढ़ के प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने जानकारी देते हुए बताया कि एक गरिमामयी कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सोनी, वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, पूर्व सभापति रमेशनाथ योगी एवं रब्बानी खान ने मो. इरशाद उर्फ भय्यू को कांग्रेस पार्टी का दुपट्टा (उपरना) पहनाकर विधिवत रूप से पार्टी परिवार में शामिल किया और उनका अभिनंदन किया।

क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए करेंगे कार्य मो. इरशाद

कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के बाद पार्षद मो. इरशाद ने कहा कि वे कांग्रेस पार्टी की गौरवशाली विचारधारा, लोकतांत्रिक मूल्यों और सर्वहारा वर्ग के उत्थान से जुड़ी नीतियों से गहराई से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों के विश्वास पर खरा उतरते हुए वे नगर के चहुंमुखी विकास, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और जनहित के कार्यों को गति देने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर पूरी निष्ठा एवं सक्रियता से कार्य करेंगे।

संगठनात्मक मजबूती और विकास को मिलेगी गतिः

कांग्रेस नेताओं ने मो. इरशाद के पार्टी में आगमन का स्वागत करते हुए कहा कि उनके जुड़ने से नगर परिषद बोर्ड और वार्ड स्तर पर संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

जनहित के विकास कार्यों, वार्ड 41 की समस्याओं के त्वरित समाधान और स्थानीय योजनाओं के क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाएगी।

पार्टी के प्रमुख जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर सभापति पद के उम्मीदवार नगेंद्र सिंह राठौड़, संगठन महामंत्री महेश काकानी, पूर्व जिला संगठन महामंत्री महेंद्र शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष गोविंद शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री प्रमोद सिंह तंवर सहित नगर परिषद के नवनिर्वाचित पार्षद एवं वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पार्षद मो. इरशाद को पार्टी में शामिल होने पर बधाई दी।

भक्ति की डगर पर उमड़ा आस्था का सैलाब, आज ठाकुरजी करेंगे जलविहार

पदयात्रियों के स्वागत में श्याम भक्तों ने बिछाए पलक-पावड़े, लंगरों में तरह-तरह के व्यंजनों से की मेहमाननवाजी...

भीलवाड़ा, सवाईपुर, जहाजपुर, काछोला व बनेड़ा मार्गों पर पदयात्रियों की जबरदस्त भीड़

भोर तक गूंजे भजन, आज 11 भगवानों का होगा ऐतिहासिक मिलन

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी / मेवाड़ अंचल के प्रसिद्ध धार्मिक धाम कोटड़ी में भगवान श्रीचारभुजानाथ के ऐतिहासिक जलझूलन महोत्सव को लेकर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। जलझूलनी एकादशी के मुख्य आयोजन से पहले ही कोटड़ी की ओर आने वाले सभी प्रमुख मार्ग श्रद्धालुओं से गुलजार हो गए। भीलवाड़ा, सवाईपुर, जहाजपुर, काछोला और बनेड़ा मार्गों पर सोमवार से ही हजारों पदयात्रियों की आवाजाही रही। हाथों में ध्वज, मुख पर श्रीचारभुजानाथ के जयकारे और भजनों की धुन के साथ श्रद्धालु कोटड़ी श्याम के दरबार की ओर बढ़ते रहे। पदयात्रियों के स्वागत के लिए श्याम भक्तों ने रास्तों में पलक-पावड़े बिछा दिए। जगह-जगह लगाए गए सेवा शिविरों और लंगरों में श्रद्धालुओं की जमकर मेहमाननवाजी की गई। कहीं पूड़ी-सब्जी, कहीं दाल-बाटी, खिचड़ी, कचौरी और हलवा, आलूबड़ा, जलेबी, खिचड़ी तो कहीं चाय, दूध और ठंडे पेय से पदयात्रियों की मनुहार की गई। सेवा शिविरों में युवा और ग्रामीण देर रात तक पदयात्रियों की सेवा में जुटे रहे।

जयकारों से गूंजते रहे रास्ते, रातभर चलता रहा जत्थों का कारवां

सोमवार दोपहर बाद से शुरू हुआ पदयात्रियों के आने का सिलसिला रातभर जारी रहा। कई जत्थे ढोल-नगाड़ों और डीजे पर भक्ति गीतों के साथ कोटड़ी पहुंचे। कुछ श्रद्धालु परिवार के साथ तो कुछ संगठित समूहों में पैदल यात्रा करते हुए पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह सेवा शिविर देखकर पदयात्रियों के चेहरे पर खुशी नजर आई। श्रद्धालुओं ने सेवा में जुटे लोगों का आभार जताते हुए कहा कि रास्ते में मिलने वाला अपनापन और सेवा यात्रा की थकान को दूर कर देता है।

भोर तक चली भजन संध्या, भक्ति में झूमते रहे श्रद्धालु

जलझूलन महोत्सव के तहत सोमवार रात आयोजित भव्य भजन संध्या में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। भजन गायक कलाकार लेहरु दास वैष्णव, नरेश प्रजापत, तृषा सुथार तथा पुष्पेंद्र जैसाना ने देर रात से लेकर भोर तक एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दीं। मंदिर परिसर जयकारों और भजनों से गूंजता रहा। रात बढ़ने के साथ श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता गया। भक्त भजनों पर झूमते, तालियां बजाते और भगवान श्रीचारभुजानाथ के जयकारे लगाते नजर आए। भोर तक चले इस भक्ति आयोजन के बाद अब मंगलवार को मुख्य जलझूलनी मेले को लेकर उत्साह चरम पर पहुंच गया है।

आज होगा जलझूलनी का ऐतिहासिक मेला

11 भगवानों के बेवाण निकलेंगे नगर भ्रमण पर, चौकी मंदिर पर होगा भावुक मिलन

जलझूलनी एकादशी पर मंगलवार को कोटड़ी में मुख्य जलझूलन महोत्सव आयोजित होगा। कस्बे के विभिन्न मंदिरों से भगवानों के बेवाण निकलेंगे। सभी बेवाण नगर भ्रमण करते हुए चौकी मंदिर पहुंचेंगे, जहां 11 भगवानों का ऐतिहासिक मिलन होगा। एक वर्ष बाद होने वाले इस मिलन के दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहेंगे। भगवानों के बेवाण के मिलन के दौरान भक्तों में विशेष उत्साह रहेगा और कई श्रद्धालु भावविभोर नजर आएंगे।

चौकी मंदिर पर मिलन के बाद धर्माऊ तालाब तक निकलेगा बेवाण

चौकी मंदिर पर मिलन के बाद सभी 11 भगवानों के बेवाण धीरे-धीरे धर्माऊ तालाब के सोनी घाट की ओर प्रस्थान करेंगे। यहां एक-एक कर सभी भगवानों को सरोवर में जलविहार कराया जाएगा। अंत में भगवान श्रीचारभुजानाथ भक्तों के साथ धर्माऊ तालाब में डुबकी लगाएंगे। जलविहार के बाद घाट पर सभी भगवानों की सामूहिक आरती होगी। इसके बाद बेवाण वापस लौटेंगे और अलग-अलग मार्गों से अपने निज मंदिरों की ओर प्रस्थान करेंगे।

18 घंटे भक्तों के कंधों पर सवार रहेंगे ठाकुरजी

कोटड़ी की अनूठी परंपरा–बेवाण को रास्ते में नहीं रखा जाता, श्रद्धालु ही देते हैं कंधा

कोटड़ी की जलझूलन परंपरा की अपनी अलग पहचान है। भगवान के विराजमान बेवाण को मंदिर से निकलने के बाद जलविहार और वापसी तक भक्त अपने कंधों पर लेकर चलते हैं।

अन्य स्थानों पर रास्ते में विश्राम के दौरान बेवाण को कंधों से उतारकर सहारा दिया जाता है, लेकिन कोटड़ी में भगवान के बेवाण को भक्तों के कंधों पर ही रखने की परंपरा है। श्रद्धालुओं में भगवान के बेवाण को कंधा देने की होड़ रहती है। भक्त इसे भगवान की सेवा और अपना सौभाग्य मानते हैं।

कस्बे के 11 मंदिरों के भगवान देंगे एक साथ दर्शन

जलझूलन महोत्सव में कस्बे के 11 मंदिरों से बेवाण निकलते हैं। इनमें नृसिंहद्वारा से नृसिंह भगवान, डीडवानिया मंदिर से राधा-कृष्ण, वैष्णव मंदिर से राम-जानकी, महंत मंदिर से रघुनाथजी, आंवलीवाला मंदिर से गोपालनाथ, चौकी मंदिर से श्रीचारभुजानाथ, गढ़ स्थित मंदिर से लक्ष्मीनाथ, लढ़ा मोहल्ला से राधा-कृष्ण, अहीर मोहल्ला से रघुनाथजी तथा तोषनीवाल मोहल्ले से भगवान सत्यनारायण सहित अन्य देव प्रतिमाएं बेवाण में विराजमान होकर जलविहार करेंगी। एक ही स्थान पर विभिन्न भगवानों के दर्शन का अवसर मिलने से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है।

किसान के वेश में नगर भ्रमण करेंगे श्रीचारभुजानाथ

दर्जी समाज के कारीगरों ने हाथों से तैयार की विशेष पोशाक, गोटा-तारी का भी किया काम

जलझूलन महोत्सव में वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार भगवान श्रीचारभुजानाथ किसान के वेश में भक्तों को दर्शन देंगे। भगवान के लिए विशेष पोशाक तैयार करने की जिम्मेदारी दर्जी समाज के कारीगरों ने निभाई। मंदिर परिसर में बैठकर हाथ की सूई-धागे से पोशाक तैयार की गई। गोटा-तारी का काम भी हाथों से किया गया। आकर्षक और महंगी पोशाकों के बजाय किसान के रूप में भगवान का नगर भ्रमण करना इस आयोजन की पुरानी परंपरा और ग्रामीण संस्कृति से जुड़ा विशेष आकर्षण है।

त्रिवेणी के जल से होगा भगवान का अभिषेक

रात 3 बजे 11 पंडित करेंगे मंत्रोच्चार, इसके बाद सेठ के रूप में दर्शन देगे। जलझूलन महोत्सव में बड़ी संख्या में भक्तो की उपस्थिति को लेकर रात 12 से 1 बजे तक 1 घण्टे विश्राम के बाद भक्तो को दर्शन करेंगे। भगवान के शयन के पश्चात रात करीब 3 बजे विशेष अभिषेक होगा। दूध के साथ त्रिवेणीधाम बीगोद से कावड़ यात्रा के जरिए लाए गए पवित्र जल से भगवान श्रीचारभुजानाथ का अभिषेक किया जाएगा। 11 पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक कार्यक्रम होगा। इसके बाद भगवान स्वर्णजड़ित पोशाक धारण कर सेठ के रूप में भक्तों को दर्शन देंगे।

सद्भावना का प्रतीक है कोटड़ी श्याम

कोटड़ी में भगवान श्रीचारभुजानाथ सभी धर्मों की आस्था के केंद्र माने जाते हैं। यहां हिंदू समाज के साथ मुस्लिम समाज के लोग भी भगवान के दर्शन करने पहुंचते हैं। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु भगवान को प्रसाद चढ़ाकर अपनी आस्था व्यक्त करते हैं।इसी सामूहिक आस्था और सहभागिता के कारण कोटड़ी श्याम का जलझूलन महोत्सव सामाजिक सद्भाव और समभाव की मिसाल भी माना जाता है। आयोजन में विभिन्न समाजों के लोग सेवा और व्यवस्थाओं में भागीदारी निभाते हैं।

मेले को लेकर प्रशासन अलर्ट

:- अतिरिक्त पुलिस बल तैनात, यातायात व सुरक्षा व्यवस्था पर रहेगी विशेष नजर

जलझूलनी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। उपखंड अधिकारी कल्पना मीणा, तहसीलदार, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी सहित विभागीय अधिकारी व्यवस्थाओं पर निगरानी रखेंगे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले से अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। मंदिर ट्रस्ट, पंचायत और प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए दर्शन, यातायात, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्य बाजार से मंदिर परिसर तक विशेष रोशनी की गई है और पूरे कोटड़ी में मेले की रौनक छाई हुई है। आज श्रद्धा, परंपरा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

उदयपुर में गैर लाईसेंसी कैफे पर दबिश, 102 बीयर जब्त, वॉश नष्ट

स्मार्ट हलचल

उदयपुर । आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए चल रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही जारी है। प्रदेश में वॉश, हथकड़ मदिरा सहित अन्य राज्य की मदिरा पर भी कार्रवाई की जा रही है उदयपुर में गैर लाईसेंसी हिल्यूजन कैफे पर दबिश की कार्रवाई में प्रिमियम ब्रांड की होगार्डन बीयर सहित 102 बीयर जब्त की गई।

632 अभियोग दर्ज, 224 गिरफ्तार

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत 20 सितंबर 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 632 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 4 लाख 21 हजार 746 रूपए लागत की 1533 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 73 लाख 57 हजार 400 रूपए की 7332 लीटर, बीयर 89 हजार 898 रूपए की 413 लीटर, हथकड़ शराब 4811 लीटर एवं स्प्रिट 350 लीटर जब्त किया गया है। इसी क्रम में वॉश एक लाख 90 हजार 738 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के तहत एक बड़ा वाहन, 5 चार पहिया वाहन, 22 दुपहिया वाहन सहित 28 वाहन जब्त किए है साथ ही अवैध मदिरा से संबंधित 224 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

उदयपुर में कैफे संचालक गिरफ्तार

प्रदेश में आबकारी निरोधक दलों की कार्रवाई के तहत उदयपुर में आबकारी अधिकारी विकास चारण के नेतृत्व में प्रहराधिकारी दौलत सिंह ने नाथावतों का गुड़ा स्थित हिल्यूजन कैफे में दबिश देते हुए प्रिमियम ब्रांड की होगार्डन बीयर सहित 102 बीयर जब्त की गई। मौके से गैर लाईसेंसी कैफे संचालक तेजेन्द्र को गिरफ्तार किया गया है, कैफे मालिक राही नागर की तलाश की जा रही है। कार्रवाई में होमगार्ड सुरेश का सहयोग रहा। इसी प्रकार नागौर में दबिश कार्रवाई में 250 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 65 लीटर अवैध हथकड़ मदिरा जब्त की गई। झालवाड़ में मोटरसाईकल पर 35 देशी मदिरा के पव्वे ले जाते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। बांसवाड़ा में 950 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 5 अभियोग दर्ज किए गए। इसी प्रकार प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है। समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

एक वोट ने पलटा शाहपुरा का सियासी समीकरण, रमेश सेन पालिका अध्यक्ष निर्वाचित

18 वोट लेकर कांग्रेस के रमेश सेन की जीत, निर्दलीय बालमुकुंद तोषनीवाल को मिले 17 मत; भाजपा पार्षदों के समर्थन के बावजूद नहीं बची निर्दलीय प्रत्याशी की बाजी

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा / नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव में सोमवार को सियासी समीकरणों ने नया मोड़ ले लिया। कांग्रेस के रमेश सेन ने 18 मत हासिल कर निर्दलीय प्रत्याशी बालमुकुंद तोषनीवाल को एक वोट से हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा कर लिया। तोषनीवाल को 17 मत मिले। 35 पार्षदों वाली नगर पालिका में अध्यक्ष पद का फैसला महज एक वोट के अंतर से हुआ। चुनाव परिणाम सामने आते ही कांग्रेस समर्थकों और सेन समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और शहरवासी रमेश सेन के स्वागत के लिए उमड़ पड़े। निर्वाचन के बाद समर्थकों ने रमेश सेन को कंधों पर उठा लिया और जीत की खुशी मनाई।

भाजपा-निर्दलीय समीकरण भी नहीं दिला सका जीत

अध्यक्ष चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा क्रॉस वोटिंग और बदले सियासी समीकरणों की रही। कांग्रेस के पार्षदों के क्रॉस वोटिंग करने और भाजपा पार्षदों की ओर से निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन दिए जाने के बावजूद बालमुकुंद तोषनीवाल बहुमत का आंकड़ा नहीं छू सके। दूसरी ओर रमेश सेन 18 मत हासिल कर एक वोट के अंतर से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। चुनाव परिणाम ने पालिका बोर्ड में बने राजनीतिक समीकरणों को भी चर्चा में ला दिया है। कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव जीतकर आए पार्षदों की संख्या 22 थी, लेकिन अध्यक्ष पद के चुनाव में रमेश सेन को 18 मत मिले। वहीं भाजपा, निर्दलीय और कांग्रेस के बागी खेमों के बीच बने समीकरणों के बीच तोषनीवाल को 17 मत प्राप्त हुए।

रमेश सेन बोले- यह जीत पूरे शाहपुरा की

निर्वाचित अध्यक्ष रमेश सेन ने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे शाहपुरा की है। उन्होंने कहा कि शहरवासियों की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए पालिका में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। शहर की समस्याओं का समाधान और विकास की गति बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। सेन के निर्वाचन के बाद कांग्रेस के पर्यवेक्षक दुर्गपाल सिंह, कांग्रेस के विधानसभा चुनाव प्रत्याशी नरेंद्र रेगर, पूर्व पीसीसी सदस्य राजकुमार बैरवा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैलाश सेन सहित कई नेताओं ने उन्हें बधाई दी। कांग्रेस देहात जिला अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामलाल जाट ने भी रमेश सेन को अध्यक्ष निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं दीं।

अब 22 सितंबर को उपाध्यक्ष चुनाव

अध्यक्ष पद का चुनाव पूरा होने के बाद अब पालिका में अगली राजनीतिक हलचल उपाध्यक्ष पद को लेकर होगी। 22 सितंबर को नगर पालिका उपाध्यक्ष का चुनाव प्रस्तावित है। ऐसे में अध्यक्ष चुनाव के दौरान सामने आए क्रॉस वोटिंग के समीकरणों के बाद अब सभी की निगाहें उपाध्यक्ष चुनाव पर टिक गई हैं। एक वोट से मिली जीत ने शाहपुरा नगर पालिका की राजनीति में नई तस्वीर जरूर खींच दी है। अब देखना होगा कि उपाध्यक्ष चुनाव में पार्षदों के समीकरण किस करवट बैठते हैं और अध्यक्ष रमेश सेन के साथ पालिका बोर्ड की नई टीम किस रूप में सामने आती है।

हर साल की तरह धूमधाम से मनाई गई वीर तेजाजी की तेजा दशमी

डीजे और ढोल-नगाड़ों के साथ गूंजा गुरला कस्बा, गढ़ की घाटी से फुटवाड़ तक निकला भव्य जुलूस, समस्त ग्रामवासी हुए शामिल

स्मार्ट हलचल

गुरला / लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज की दशमी यानी तेजा दशमी का पर्व इस साल भी बड़ी धूमधाम, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हर साल की तरह इस साल भी पूरे गांव में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही गांव की गलियों में तेजाजी महाराज के जयकारे गूंजने लगे थे - 'जय बोलो तेजाजी महाराज की '। वीर तेजाजी का इतिहास और तेजा दशमी का महत्व लोकदेवता वीर तेजाजी राजस्थान के सबसे पूज्य लोकदेवताओं में से एक हैं। उन्हें सर्पों के देवता और गौ-रक्षक के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि तेजाजी महाराज ने अपने वचन के लिए अपने प्राण तक दे दिए थे। भाद्रपद शुक्ल दशमी को तेजा दशमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन तेजाजी महाराज ने सर्पदंश से लाछा गुजरी की गायों को बचाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। तभी से इस दिन को तेजा दशमी के रूप में पूरे राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में बड़े श्रद्धा भाव से मनाया जाता है। किसान वर्ग में तेजाजी के प्रति विशेष आस्था है। मान्यता है कि तेजाजी महाराज की पूजा करने से सर्पदंश का भय नहीं रहता और पशुधन सुरक्षित रहता है।गढ़ की घाटी से शुरू हुआ भव्य जुलूस तेजा दशमी के अवसर पर मुख्य आयोजन भव्य जुलूस का रहा। सुबह गढ़ की घाटी स्थित प्राचीन तेजाजी स्थानक पर ग्रामीण एकत्रित हुए। यहां पुजारी द्वारा तेजाजी महाराज की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, तेजाजी की कथा सुनी गई और आरती की गई। इसके बाद तेजाजी महाराज की सजी हुई झांकी और निशान के साथ जुलूस की शुरुआत हुई। जुलूस में सबसे आगे घोड़े पर सवार तेजाजी महाराज बने एक युवक चल रहे थे, उसके पीछे तेजाजी का निशान और फिर डीजे साउंड सिस्टम था। डीजे पर तेजाजी के भजनों की धुन - 'म्हारो तेजाजी, थारो नाम निरालो' पर युवा टोलियां नाचते-गाते चल रही थीं। साथ ही पारंपरिक ढोल-नगाड़े वालों की थाप पर बुजुर्ग भी थिरकते नजर आए।गढ़ की घाटी स्थित तेजाजी स्थानक से शुरू होकर जुलूस गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए निकला। जुलूस का पहला पड़ाव मेन बाजार रहा, जहां व्यापारियों ने जुलूस का फूल-मालाओं से स्वागत किया और वहां से जुलूस सहकारी समिति पहुंचा, जहां किसानों ने बड़ी संख्या में स्वागत किया। इसके बाद जुलूस रामदेव मंदिर पहुंचा, जहां दोनों लोकदेवताओं के मिलन का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। रामदेव मंदिर से जुलूस बड़ा मंदिर पहुंचा, जहां महिलाओं ने तेजाजी महाराज की आरती उतारी।बड़ा मंदिर से होते हुए जुलूस बस स्टैंड देवनारायण मंदिर गोराजी पहुंचा, जहां काफी देर तक डीजे पर भजन चलते रहे और युवाओं ने जमकर नृत्य किया। बस स्टैंड से जुलूस अपने अंतिम पड़ाव पुटवाड़ स्थित तेजाजी स्थानक पर पहुंचा। यहां पहुंचकर जुलूस का समापन हुआ और महाप्रसादी का आयोजन किया गया।इस भव्य जुलूस में पूरे गांव की एकता देखने को मिली। जुलूस में बच्चे, बुजुर्ग, युवा, महिलाएं सभी शामिल हुए। पूरे रास्ते 'तेजाजी महाराज की जय' के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। जगह-जगह ग्रामीणों ने शरबत, पानी और प्रसाद की व्यवस्था कर रखी थी। ग्रामीणों का कहना था कि यह जुलूस सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और भाईचारे का प्रतीक है। हर साल इसी तरह हम सब मिलकर तेजा दशमी मनाते हैं और तेजाजी महाराज से गांव की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।शाम को तेजाजी स्थानक पर भजन संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें देर रात तक तेजाजी के भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। शाम को महाआरती कर खीर का प्रशाद का भोग लगाकर प्रसाद वितरण कीया गया

कठूमर नगर पालिका की कुर्सी पर कांग्रेस का कब्जा, सोरनदेई बनीं अध्यक्ष

12 मत लेकर भाजपा की मणि देवी को 4 मतों से हराया, पहली बार एससी महिला के लिए आरक्षित था अध्यक्ष पद

स्मार्ट हलचल

कठूमर। नगर पालिका चुनाव 2026 में कठूमर नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर कांग्रेस की सोरनदेई निर्वाचित हुईं। सोमवार को हुए अध्यक्ष पद के चुनाव में सोरनदेई को 12 मतमिले, जबकि भाजपा की प्रत्याशी मणि देवी को 8 मत प्राप्त हुए। इस तरह सोरनदेई ने 4 मतों से जीत दर्ज की। सोरनदेई कठूमर नगर पालिका के वार्ड नंबर 16 से कांग्रेस की पार्षद निर्वाचित हुई थीं। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। मतदान के बाद मतगणना में उन्हें 12 मत मिले और भाजपा प्रत्याशी मणि देवी को 8 मत प्राप्त हुए। कठूमर नगर पालिका में पहली बार अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति (महिला) वर्ग के लिए आरक्षित किया गया था। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपखंड अधिकारी श्याम सुंदर चेतीवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोरनदेई को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। सोरनदेई के अध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने जीत पर खुशी जताते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दी।

आज होगा नगर पालिका उपाध्यक्ष का चुनाव

नगर पालिका उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव 22 सितंबर को कराया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया के तहत सुबह 10 से 11 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद सुबह 11:30 बजे से नामांकन पत्रों की जांच होगी। प्रत्याशियों के पास दोपहर 2 बजे तक नाम वापस लेने का समय रहेगा। यदि एक से अधिक प्रत्याशी चुनाव मैदान में रहते हैं तो दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू होगी तथा 22 सितंबर को ही उपाध्यक्ष पद का चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

मंडावर नगरपालिका चेयरमैन चुनाव का फैसला

15 वोट लेकर अनीता देवी ने संभाली मंडावर की कमान, अशोक नारेड़ा को मिले 10 मत

5 वोटों के अंतर से कांग्रेस प्रत्याशी की जीत, परिणाम के बाद समर्थकों में उत्साह

स्मार्ट हलचल/नीरज मीणा

मंडावर। मंडावर नगर पालिका चेयरमैन पद को लेकर चल रही राजनीतिक उठापटक पर आखिरकार विराम लग गया। चेयरमैन पद के लिए हुए मतदान में कांग्रेस प्रत्याशी अनीता देवी ने 15 मत हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा प्रत्याशी अशोक नारेड़ा को 10 मत मिले। इस तरह अनीता देवी ने 5 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर मंडावर नगरपालिका की चेयरमैन की कुर्सी अपने नाम कर ली। 25 पार्षदों के मतदान ने बदल दिया नगरपालिका का समीकरण मंडावर नगरपालिका में कुल 25 पार्षदों के बीच चेयरमैन पद के लिए मतदान हुआ। चुनाव से पहले नगरपालिका में भाजपा के 10, कांग्रेस के 8 और निर्दलीय 7 पार्षदों का समीकरण सामने आया था। ऐसे में चेयरमैन चुनाव के परिणाम को लेकर राजनीतिक हलकों में लगातार चर्चाओं का दौर चल रहा था। लेकिन मतदान के बाद सामने आए 15-10 के परिणाम ने तमाम राजनीतिक चर्चाओं पर विराम लगा दिया। अनीता देवी के खाते में 15 मत आए, जबकि अशोक नारेड़ा को 10 मत मिले।

निर्दलीय पार्षदों के रुख पर टिकी थीं निगाहें

चेयरमैन चुनाव में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा थी। परिणाम आने के बाद अनीता देवी को मिले 15 मतों ने नगरपालिका के अंदर बने राजनीतिक समीकरणों को भी सामने ला दिया। हालांकि किस पार्षद ने किस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया, यह व्यक्तिगत मतदान होने के कारण सार्वजनिक रूप से अलग-अलग तौर पर स्पष्ट नहीं है।

दीक्षांत बागड़ी ने जताया जनता का आभार

चेयरमैन चुनाव परिणाम के बाद युवा नेता दीक्षांत बागड़ी ने मंडावर की आम जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मंडावर के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

जहाजपुर नगर पालिका में भाजपा का परचम, अलकेश वैष्णव बनीं अध्यक्ष; 23 वोटों से जीत, कांग्रेस प्रत्याशी को मिले 2 मत

25 पार्षदों ने किया मतदान, भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में 23 वोट, कांग्रेस को मिले सिर्फ 2 वोट; क्रॉस

वोटिंग को लेकर सियासी चर्चाएं तेज

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। जहाजपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए अध्यक्ष पद पर कब्जा जमा लिया है। भाजपा प्रत्याशी अलकेश वैष्णव नगर पालिका की नवनिर्वाचित अध्यक्ष बन गई हैं।अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में अलकेश वैष्णव को कुल 23 मत प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद देवी शर्मा को महज 2 मत मिले। परिणाम घोषित होते ही भाजपा खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई।

23 वोट हासिल कर अलकेश वैष्णव की जीत

जहाजपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए आयोजित मतदान प्रक्रिया में कुल 25 पार्षदों ने मतदान किया। भाजपा प्रत्याशी अलकेश वैष्णव को 23 मत प्राप्त हुए। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद देवी शर्मा के खाते में 2 मत आए। मतदान के बाद निर्वाचन अधिकारी द्वारा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें अलकेश वैष्णव को विजयी घोषित किया गया।

भाजपा के 15, कांग्रेस के 3 और 7 निर्दलीय पार्षद

जहाजपुर नगर पालिका में कुल 25 वार्ड हैं। पूर्व में हुए पार्षद चुनाव के परिणामों के अनुसार भाजपा के 15 पार्षद, कांग्रेस के 3 पार्षद और 7 निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए थे। अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को मिले 23 वोटों ने राजनीतिक समीकरणों को चर्चा में ला दिया है। भाजपा के निर्धारित 15 पार्षदों के अतिरिक्त अन्य पार्षदों का समर्थन भी मतदान परिणाम में दिखाई देता है।

कांग्रेस खेमे में क्रॉस वोटिंग की चर्चा

अध्यक्ष पद के मतदान के बाद कांग्रेस खेमे में क्रॉस वोटिंग को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय स्तर पर कांग्रेस के एक पार्षद द्वारा क्रॉस वोटिंग किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। हालांकि, किस पार्षद ने किस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया, इसकी आधिकारिक पुष्टि निर्वाचन अभिलेखों से किया जाना आवश्यक है। 23-2 के परिणाम के बाद नगर पालिका की राजनीतिक तस्वीर को लेकर चर्चाएं जारी हैं।

भाजपा खेमे में खुशी, नई अध्यक्ष से विकास की उम्मीदें

अलकेश वैष्णव के अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। अब नगर पालिका की नई अध्यक्ष के सामने शहर की सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, पेयजल, नालियों और अन्य स्थानीय विकास कार्यों को गति देने की जिम्मेदारी होगी। शहरवासियों को उम्मीद है कि नए बोर्ड के माध्यम से नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता मिलेगी।

जहाजपुर नगर पालिका अध्यक्ष चुनाव का परिणाम

कुल पार्षद: 25
भाजपा:15 पार्षद
कांग्रेस: 3 पार्षद
निर्दलीय:7 पार्षद
भाजपा प्रत्याशी अलकेश वैष्णव: 23 मत
कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद देवी शर्मा 2 मत- विजेता: अलकेश वैष्णव, भारतीय जनता पार्टी

जहाजपुर नगर पालिका में भाजपा की जीत के साथ अलकेश वैष्णव ने अध्यक्ष पद संभाल लिया है। अब शहर की जनता की निगाहें नई नगर पालिका बोर्ड के आगामी कामकाज और विकास योजनाओं पर टिकी हैं।

जहाजपुर तहसील में गांव-गांव कथित झोलाछापों का जाल!

चारपाई पर ड्रिप... मरीजों की सुरक्षा से खिलवाड़ का सवाल, चिकित्सा विभाग की कार्रवाई सीएमएचओ की टीम के भरोसे!

बांकरा गांव से सामने आई तस्वीरों ने उठाए गंभीर सवाल, वर्षों से शिकायतों के बावजूद कथित अनधिकृत क्लीनिकों पर कार्रवाई का इंतजार....

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। जहाजपुर तहसील क्षेत्र में कथित झोलाछापों द्वारा मरीजों के इलाज के नाम पर चिकित्सा गतिविधियां संचालित किए जाने के आरोपों ने स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गांव-गांव में कथित अनधिकृत क्लीनिकों के संचालन को लेकर शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। वहीं बांकरा गांव से सामने आई तस्वीरों में एक मरीज को चारपाई पर ड्रिप लगी हुई दिखाई दे रही है। तस्वीरें सामने आने के बाद मरीजों की सुरक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं की निगरानी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

चारपाई पर ड्रिप, इलाज की व्यवस्था पर सवाल

बांकरा गांव से सामने आई तस्वीर में एक पुरुष मरीज चारपाई पर लेटा हुआ दिखाई दे रहा है और उसे ड्रिप लगी है। दूसरी तस्वीर में भी एक अन्य पुरुष मरीज को ड्रिप लगी हुई नजर आ रही है। तस्वीरों के आधार पर यह निश्चित नहीं किया जा सकता कि उपचार किस व्यक्ति ने किया, मरीजों को कौन-सी दवा दी गई या संबंधित स्थान के पास वैध पंजीकरण और आवश्यक चिकित्सकीय अनुमति है या नहीं। इन बिंदुओं की जांच चिकित्सा विभाग द्वारा किया जाना आवश्यक है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा निर्धारित चिकित्सकीय योग्यता या अनुमति के बिना मरीजों का उपचार किया जा रहा है, तो यह मरीजों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीर विषय हो सकता है। विभाग को संबंधित क्लीनिक का निरीक्षण कर उपचारकर्ता की योग्यता, दवाओं और उपचार संबंधी रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए।

गांव-गांव कथित झोलाछाप, निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

जहाजपुर तहसील क्षेत्र में कथित झोलाछापों के खिलाफ लंबे समय से आवाज उठाए जाने और मीडिया के माध्यम से मामले सामने आने की बात कही जा रही है। स्थानीय स्तर पर शिकायतों के बावजूद यदि कथित अनधिकृत चिकित्सा गतिविधियां जारी हैं, तो विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोग स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए स्थानीय स्तर पर उपचार का सहारा लेते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि उपचार करने वाले व्यक्ति की योग्यता और क्लीनिक की वैधता की जांच हो। मरीजों को गलत उपचार या बिना उचित चिकित्सकीय मूल्यांकन के दवा देने से संभावित जोखिम पैदा हो सकते हैं।

बीसीएमओ भागीरथ मीणा का बयान–सीएमएचओ को अवगत कराया

मामले को लेकर स्थानीय चिकित्सा अधिकारी एवं जहाजपुर बीसीएमओ भागीरथ मीणा से जानकारी ली गई। उनके बताए अनुसार, कथित झोलाछापों के खिलाफ कार्रवाई के लिए भीलवाड़ा सीएमएचओ को अवगत कराया जा चुका है। बीसीएमओ ने बताया कि सीएमएचओ द्वारा टीम गठित किए जाने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी और स्थानीय स्तर पर उनके अधिकार क्षेत्र में कार्रवाई करना संभव नहीं है। बीसीएमओ के इस बयान के बाद अब सवाल उठ रहा है कि सीएमएचओ स्तर पर जांच टीम का गठन कब होगा और मौके पर निरीक्षण की प्रक्रिया कब शुरू होगी। यदि मामला मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा है, तो जांच में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

वर्षों से खबरें और शिकायतें, फिर भी कार्रवाई का इंतजार

जहाजपुर क्षेत्र में कथित झोलाछापों के खिलाफ लंबे समय से मीडिया के माध्यम से आवाज उठाए जाने की बात सामने आ रही है। ऐसे में विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पूर्व में प्राप्त शिकायतों पर कितने निरीक्षण किए गए, किन स्थानों पर अनियमितताएं मिलीं और क्या कार्रवाई की गई।

सवाल यह भी है कि

जहाजपुर मुख्यालय की मुख्य सड़क और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित कथित अनधिकृत क्लीनिकों की निगरानी कैसे की जा रही है। क्या विभाग के पास ऐसे क्लीनिकों का रिकॉर्ड है? क्या नियमित जांच अभियान चलाया जाता है? और यदि नियमों का उल्लंघन मिलता है, तो जिम्मेदारों पर किस प्रकार की कार्रवाई की जाती है?

मिलीभगत की आशंका पर निष्पक्ष जांच की मांग

कथित झोलाछापों के संचालन को लेकर कुछ लोगों द्वारा विभागीय मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, किसी अधिकारी या व्यक्ति की मिलीभगत का आरोप जांच के बिना प्रमाणित नहीं माना जा सकता। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

जांच में पूर्व शिकायतों, निरीक्षण रिपोर्ट, क्लीनिकों की वैधता और संबंधित उपचारकर्ताओं की योग्यता की समीक्षा की जानी चाहिए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या नियमों का उल्लंघन सामने आता है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

चिकित्सा विभाग से जनता के सीधे सवाल

1. सीएमएचओ द्वारा जांच टीम का गठन कब किया जाएगा?
2. जहाजपुर तहसील क्षेत्र में कथित अनधिकृत क्लीनिकों की संख्या और उनका निरीक्षण रिकॉर्ड क्या है?
3. मरीजों का उपचार करने वाले व्यक्तियों की योग्यता और अनुमति की जांच कैसे होगी?
4. पूर्व शिकायतों पर अब तक क्या कार्रवाई की गई?
5. मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष जांच अभियान कब चलाया जाएगा?

अब विभाग की कार्रवाई का इंतजार

बांकरा गांव से सामने आई तस्वीरों और स्थानीय बीसीएमओ के बयान के बाद अब निगाहें भीलवाड़ा सीएमएचओ कार्यालय पर टिकी हैं। स्थानीय अधिकारी द्वारा उच्च स्तर पर अवगत कराने की जानकारी सामने आई है, लेकिन जांच टीम का गठन और मौके पर निरीक्षण कब होगा, यह स्पष्ट होना बाकी है। मरीजों की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में चिकित्सा विभाग को शिकायतों का संज्ञान लेकर वास्तविक स्थिति की जांच करनी चाहिए। संबंधित क्लीनिक की वैधता, उपचारकर्ता की योग्यता और मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई तय हो सकेगी। सवाल अब भी कायम है–जहाजपुर तहसील में कथित झोलाछापों के खिलाफ ठोस जांच अभियान कब शुरू होगा? क्या सीएमएचओ की टीम मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी? और क्या वर्षों से उठ रहे सवालों का अब जवाब मिलेगा? अब देखना यह है कि चिकित्सा विभाग की जांच की आंच कहां तक पहुंचती है और मरीजों की सुरक्षा को लेकर क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

निगम की दबिश: कचरा बाहर फेंका तो वहीं कटेगी जुर्माने की रसीद

आयुक्त कमल सिंह यादव के निर्देश पर औचक निरीक्षण, दो मामलों में 9 हजार का जुर्माना

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / शहर में खुले में कचरा फेंककर स्वच्छता व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ नगर निगम ने सख्ती तेज कर दी है। नगर निगम आयुक्त कमल सिंह यादव के निर्देश पर सोमवार को निगम की टीम ने शहर में औचक निरीक्षण कर दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल ?9 हजार का जुर्माना वसूला। निगम की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि अब सड़क, खाली प्लॉट या सार्वजनिक स्थान को कचराघर बनाने वालों की खैर नहीं।

ह्युष्ट कॉलेज के बाहर कचरा मिला, ?5 हजार का जुर्माना

निगम टीम के निरीक्षण के दौरान ह्युष्ट कॉलेज के बाहर खुले में कचरा फेंका हुआ मिला। टीम ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति पर ?5 हजार का जुर्माना लगाया और जुर्माने की रसीद काटी। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा डालना शहर की सफाई व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में अब केवल समझाइश तक सीमित नहीं रहा जाएगा, बल्कि नियमानुसार आर्थिक दंड की कार्रवाई की जाएगी।

होटल बाज ने खाली प्लॉट को बनाया कचराघर, निगम ने वापस होटल पहुंचाया कचरा

दूसरी कार्रवाई होटल बाज के खिलाफ हुई। निगम टीम को निरीक्षण के दौरान पता चला कि शादी समारोह से निकला कचरा ट्रैक्टर में भरवाकर शहर के एक खाली प्लॉट में अवैध रूप से डलवाया जा रहा था। निगम टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कचरा खाली प्लॉट में डालने की कार्रवाई रुकवाई। जो कचरा बाहर डलवाया जा रहा था, उसे वापस होटल बाज में ही डलवाया गया। नियमों का उल्लंघन करने पर होटल पर ?4 हजार का जुर्माना लगाया गया और मौके पर रसीद काटी गई।

खाली प्लॉटों पर कचरा डालने वालों पर भी नजर

नगर निगम की कार्रवाई से साफ है कि शहर के खाली भूखंडों को कचरा डालने की जगह समझने वालों पर भी अब निगरानी बढ़ाई जा रही है। निगम टीम औचक निरीक्षण के जरिए ऐसे स्थानों की जांच कर रही है, जहां लोग चोरी-छिपे कचरा डालकर शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावित करते हैं।

होटल और संस्थानों को दो टूक चेतावनी

नगर निगम प्रशासन ने शहर के होटल संचालकों, संस्थानों और प्रतिष्ठानों को सख्त चेतावनी दी है कि उनके यहां निकलने वाले कचरे का निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही निस्तारण किया जाए। खुले में कचरा फेंकने या खाली प्लॉट में डलवाने पर जुर्माने के साथ अन्य नियमानुसार कार्रवाई भी की जा सकती है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर की सफाई व्यवस्था से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों पर मौके पर ही जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। संदेश साफ है–कचरा बाहर फेंका तो निगम की टीम पहुंच सकती है, और वहीं कट सकती है जुर्माने की रसीद।

टोंक जिले के 10 नगर निकायों के अध्यक्ष पद के नतीजे घोषित,

कांग्रेस को 2 तो भाजपा को 8 निकायों में मिली जीत

स्मार्ट हलचल

टोंक। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत सोमवार, 21 सितंबर को टोंक जिले के एक नगर परिषद और 9 नगर पालिकाओं के अध्यक्ष पद के चुनाव परिणाम घोषित हो गए हैं। उपलब्ध चुनाव परिणामों के अनुसार भाजपा ने 8 निकायों में अध्यक्ष पद हासिल किया, जबकि कांग्रेस को टोंक नगर परिषद और उनियारा नगर पालिका में जीत मिली। टोंक नगर परिषद में कांग्रेस के मयंक गोयल सभापति निर्वाचित हुए। गोयल को 38 वोट, जबकि भाजपा के प्रह्लाद सिंह सोलंकी को 21 वोट मिले। इस तरह गोयल ने 17 वोट के अंतर से जीत दर्ज की। उनियारा नगर पालिका में कांग्रेस के नरेश कुमार गुर्जर अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। उन्हें 12 वोट मिले, जबकि भाजपा के अभय सिंह शक्तावत को 8 वोट मिले।

जिले के निकायों में निर्वाचित अध्यक्ष

टोंक नगर परिषद – मयंक गोयल, (कांग्रेस)

उनियारा नगर पालिका – नरेश कुमार गुर्जर, (कांग्रेस)

निवाई – नरेंद्र कुमार शर्मा, (भाजपा)

पीपलू – रमेश चंद वर्मा, (भाजपा)

देवली – कजोडी देवी, (भाजपा)

दूनी – अर्चना देवी बलाई, (भाजपा)

मालपुरा – जिनेंद्र जैन, (भाजपा)

टोडारायसिंह – संत कुमार जैन, (भाजपा)

डिग्गी – अरविंद शर्मा, (भाजपा)

लाम्बाहरिसिंह – सोनिया सिंह, (भाजपा)।

इन परिणामों के बाद टोंक जिले के सभी 10 शहरी निकायों में नए अध्यक्षों का निर्वाचन पूरा हो गया है। अध्यक्ष पद का चुनाव संबंधित निकायों के निर्वाचित पार्षदों के मतदान से हुआ।

अवैध बजरी से भरा डंपर पुलिस ने किया जब्त, चालक मौके से फरार

पंचायत चुनाव से पहले अवैध बजरी खनन व परिवहन के खिलाफ फुलिया कलां पुलिस की बड़ी कार्रवाई, करीब 30 टन बजरी मिली

स्मार्ट हलचल

फुलिया कलां / में आगामी पंचायत राज चुनाव के मद्देनजर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन पर प्रभावी रोकथाम को लेकर फुलियाकलां पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरे एक डंपर को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार डंपर में करीब 30 टन अवैध बजरी भरी हुई थी। कार्रवाई के दौरान डंपर चालक पुलिस की गाड़ी को देखकर वाहन को सड़क पर खड़ा कर मौके से फरार हो गया।भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा सागर राणा आईपीएस के आदेश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा अंजुम कायम और वृत्ताधिकारी शाहपुरा नाना लाल सालवी के सुपरविजन में अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत फुलियाकलां थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की।

गश्त के दौरान पुलिस को मिला अवैध बजरी से भरा डंपर

पुलिस के मुताबिक 20 सितंबर 2026 को हेड कांस्टेबल प्रभुसिंह मय जाप्ता आगामी पंचायत राज चुनाव के मद्देनजर प्रभावी गश्त एवं अवैध बजरी खनन-निर्माण की रोकथाम के लिए थाना क्षेत्र के फुलियाकलां, कनेछनकला, राजियास, गश्त एवं तलाशी पर रवाना हुए थे। गश्त के दौरान पुलिस टीम देवेरिया खेड़ा से पहले नहर पर पहुंची। इसी दौरान पुलिस को सामने से एक डंपर आता दिखाई दिया। डंपर पर अशोक लीलैंड कंपनी का वाहन था, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर RJ 51 GE 2263 बताया गया है। पुलिस की गाड़ी को देखकर डंपर चालक ने वाहन को सड़क पर खड़ा किया और मौके से भाग गया। पुलिस ने चालक का पीछा किया, लेकिन रात का समय होने के कारण वह पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका।

बिना रवन्ना-टीपी के परिवहन का आरोप

पुलिस के अनुसार डंपर की जांच करने पर उसमें करीब 30 टन अवैध बजरी भरी मिली। प्रारंभिक जांच में डंपर में बिना रवन्ना/टीपी के अवैध बजरी का परिवहन किया जाना पाया गया। पुलिस ने मौके पर ही डंपर को जब्त कर लिया। मामले में एमएमडीआर एक्ट 1957 की धारा 4/21 एवं बीएनएस 2023 की धारा 303(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है। पुलिस द्वारा डंपर के मालिक एवं चालक की तलाश की जा रही है।

अवैध खनन व परिवहन पर जारी रहेगा अभियान

फुलियाकलां पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस प्रशासन की ओर से अवैध खनन गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जा रही है, वहीं पंचायत राज चुनाव को देखते हुए क्षेत्र में गश्त एवं जांच अभियान को भी प्रभावी बनाया गया है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम

कार्रवाई में थानाधिकारी दिनेश कुमार, हेड कांस्टेबल प्रभुसिंह, कांस्टेबल नरसी, कांस्टेबल रमेश, कांस्टेबल महिपाल तथा कांस्टेबल अनवार अहमद सहित पुलिस थाना फुलियाकलां की टीम शामिल रही।

मोहित वाल्मीकि को कोटा शहर और रिद्धम शर्मा को कोटा ग्रामीण NSUI जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल

कोटा। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) राजस्थान ने संगठनात्मक नियुक्तियां करते हुए कोटा शहर एवं कोटा ग्रामीण के जिलाध्यक्षों की घोषणा की है। मोहित वाल्मीकि को कोटा शहर तथा रिद्धम शर्मा को कोटा ग्रामीण का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दोनों नवनियुक्त जिलाध्यक्षों से संगठन को मजबूत बनाने और उन्हें सौंपे गए दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है। रिद्धम शर्मा ने नई जिम्मेदारी के लिए एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, राष्ट्रीय महासचिव अंकुश भटनागर, संगठन महासचिव मुकेश नारानिया सहित शीर्ष नेतृत्व एवं संगठन का आभार जताया। शर्मा ने कहा कि वे संगठन को मजबूत करने के साथ छात्रहितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

लोक कला और भजनों से गूंजा ब्यावर, राठी पवेलियन में उमड़ा जनसैलाब

खेता खान की लोक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, 22 सितम्बर को आकृति मिश्रा देंगी भजनों की प्रस्तुति

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर। ऐतिहासिक श्री वीर तेजा मेले के तहत रविवार को सुभाष उद्यान स्थित राठी पवेलियन में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासियों ने भाग लिया। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और देर रात तक कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। सांस्कृतिक संध्या में अंतरराष्ट्रीय लोक कलाकार खेता खान ने राजस्थानी लोक कला एवं संगीत की प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक लोक धुनों और संगीत की प्रस्तुतियों पर दर्शक झूमते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं की जीवंत झलक देखने को मिली। राठी पवेलियन में रंग-बिरंगी रोशनी और बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों से मेले का माहौल और भी उत्सवी हो गया। परिवारों, युवाओं सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया। श्री वीर तेजा मेले के तहत धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है। इससे ब्यावर की लोक परंपरा, कला और सामाजिक सहभागिता को मंच मिल रहा है।

22 सितम्बर को आकृति मिश्रा की प्रस्तुति

मेले के आगामी कार्यक्रम के तहत 22 सितम्बर को भजन गायिका आकृति मिश्रा अपनी प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम का आयोजन शाम 8 बजे से राठी पवेलियन, सुभाष उद्यान में किया जाएगा।

रिद्धि-सिद्धि गरबा मंडल के गणेश महोत्सव में सामाजिक सहभागिता का संदेश

सर्वसमाज की महिलाओं ने घरों से तैयार कर लाए पकवान, गणपति को अर्पित किया छप्पन भोग; केसरिया बागा में सजे गणपति का मनोहारी स्वरूप रहा आकर्षण का केंद्र

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। वार्ड संख्या 33 स्थित मीणा मोहल्ले में न्यू रिद्धि-सिद्धि गरबा मंडल की ओर से आयोजित दस दिवसीय गणेश महोत्सव के सातवें दिन रविवार को धार्मिक आस्था और सामाजिक सहभागिता का संगम देखने को मिला। आयोजन के तहत भगवान गणपति को छप्पन भोग अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना और आरती के बाद उपस्थित भक्तों एवं श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर गणपति बप्पा का आकर्षक एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया। भगवान गणेश को केसरिया बागा धारण कराकर मुकुट, आभूषण एवं पुष्पमालाओं से अलंकृत किया गया। केसरिया वस्त्रों और पुष्पों से सजे गणपति का दिव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा।

सर्वसमाज की महिलाओं ने निभाई सहभागिता

छप्पन भोग के आयोजन में सर्वसमाज की महिलाओं ने सहभागिता निभाई। इसके लिए महिलाओं को ऐच्छिक रूप से 85 पर्चियां वितरित की गई थीं। पर्चियों के माध्यम से निर्धारित प्रसाद के पकवान महिलाओं ने अपने-अपने घरों से तैयार कर लाए और सामूहिक रूप से भगवान गणपति को छप्पन भोग के रूप में अर्पित किए। पूजन के बाद यही प्रसाद उपस्थित भक्तों एवं श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।

गणपति आरती के बाद हुआ हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश पूजन एवं आरती के साथ हुई। पंचमुखी हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी सत्यनारायण शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक गणेश पूजन कराया और भगवान गणपति को छप्पन भोग अर्पित किया। गणपति आरती के बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद गरबा-डांडिया सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महोत्सव का शुभारंभ गणेश चतुर्थी के अवसर पर हुआ था। दस दिवसीय आयोजन के दौरान बच्चों और बड़ों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक एकता पर जोर

मंडल अध्यक्ष शिवराज मीणा के नेतृत्व में आयोजित महोत्सव में अभियंता अनिल सुखवाल, कपिल शर्मा, रतन मीणा, रोहित मीणा, यशवंत मीणा, मनन मीणा, देवराज मीणा, नवीन मीणा, सोनू मीणा, कमलेश मीणा, कुलदीप मीणा, निर्मल मीणा, विजय मीणा, नितेश मीणा, रितेश कुमावत, विजय कुमावत, किशोर मीणा, लक्ष्यराज सिंह मीणा, जशवंत मीणा, हेमंत मीणा और प्रमोद मीणा सहित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय रहे। आयोजकों के अनुसार महोत्सव का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देना है। आयोजन में सर्वसमाज के लोगों की सहभागिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मंडल की ओर से शहरवासियों से सपरिवार महोत्सव में शामिल होने और धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हिस्सा बनने की अपील की गई है।

चन्द्रप्रकाश सोनी बने पालिका अध्यक्ष

बहार निकलने के बाद सोनी का किया जोरदार स्वागत

सांगोद 22 सितम्बर को सांगोद, नगरपालिका चुनाव प्रक्रिया में सोमवार को यहां हुई पालिकाध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया में भाजपा प्रत्याशी चन्द्रप्रकाश सोनी अध्यक्ष निर्वाचित हुए। सोनी ने कांग्रेस प्रत्याशी बृजमोहन रेगर को 13 मतो से हराया। इससे पूर्व पुलिस की तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां नगर पालिका परिसर में अध्यक्ष पद के मतदान की प्रक्रिया प्रातः 10 बजे शुरू हुई। पहले कांग्रेस के सभी 11 पार्षद एक साथ मतदान करने पहुंचे। फिर भाजपा के सभी 20 एवं 4 निर्दलीय पार्षद नगरपालिका कार्यालय पहुंचे। यहां सभी ने निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम दीपक मित्तल की मौजूदगी में बारी-बारी मतदान किया। परिणाम घोषणा के साथ ही भाजपा खेमे में खुशी दौड़ पड़ी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोनी को भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थकों ने फूल मालाओं से लाद दिया।

फिर आई खुशी की घड़ी

मतदान के बाद लोगों को परिणाम जानने में ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। दोपहर एक बजे ही सभी सदस्यों द्वारा मतदान करने के तुरंत बाद नवनिर्वाचित पार्षदों की मौजूदगी में ही मतगणना शुरू हो गई। अध्यक्ष पद के भाजपा प्रत्याशी चन्द्रप्रकाश सोनी को 24 व कांग्रेस प्रत्याशी बृजमोहन रेगर को 11 मत मिले।

लगी रही लोगों की भीड़

अध्यक्ष चुनाव को लेकर लोगों में उत्साह रहा। निर्वाचन प्रक्रिया शुरू होते ही यहां भाजपा व कांग्रेस के समर्थकों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। मतदान प्रक्रिया शुरू होते ही पूरा परिसर लोगों की भीड़ से अट गया। कांग्रेस खेमे में थोड़ी निराशा जरूर दिखी। अध्यक्ष घोषणा के बाद पूरा परिसर आतिशबाजी के धमाकों से गूंज उठा।

उपाध्यक्ष का चुनाव आज

अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न होने के बाद मंगलवार को ही नगरपालिका कार्यालय में उपाध्यक्ष के चुनाव होंगे। हालांकि भाजपा की ओर से अभी तक उपाध्यक्ष के नाम की घोषणा नहीं हुई।

गुपड़ा की बेटियों जिला स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची

स्मार्ट हलचल

वासनी, फतहनगर (उदयपुर) वल्लभनगर ब्लॉक के गांव गुपड़ा की बेटियों ने 70वीं जिला स्तरीय विद्यालयी क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 के अंतर्गत कोटा कैरियर स्कूल, वासनी में आयोजित 14 वर्षीय छात्र-छात्रा नेटबॉल स्पर्धा में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपना परचम लहरा दिया है। टीम प्रभारी पपीता भावसार ने बताया कि सेमीफाइनल के रोमांचक मुकाबले में गुपड़ा की टीम ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, धनेरिया की टीम को 9-6 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। पूरी प्रतियोगिता के दौरान टीम की सभी बालिकाओं ने अनुशासन, टीम भावना का परिचय दिया। इस सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य भंवर सिंह राठौड़ ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत बेटियों की कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। शारीरिक शिक्षिका अनीता सारस्वत, समस्त स्टाफ एवं ग्रामवासियों ने विजेता टीम को बधाई देते हुए फाइनल मुकाबले के लिए अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

राजगढ़ में सियासी ड्रामा!

भाजपा के राकेश पूनिया बने नगर पालिका अध्यक्ष, एक वोट के अंतर से हारी कांग्रेस

पूर्व विधायक ने बताया 'लोकतंत्र की हत्या'

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर, / राजगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए हुआ चुनाव बेहद रोमा ंचक और सनसनीखेज मोड़ पर पहुंच गया, जहाँ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार राकेश पूनिया ने एक कड़े मुकाबले में जीत का परचम लहरा दिया है। इस हाई-वोल्टेज चुनाव में भाजपा के राकेश पूनिया को 20 मत मिले, जबकि उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार रुखसाना बानो को 19 मत हासिल हुए। इस चुनाव में एक मत के खारिज होने ने राजनीतिक सरगर्मी को चरम पर पहुँचा दिया, जिससे

कुछ देर के लिए माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया।

एक मत का फेर और राजनीतिक घमासान

मतगणना के दौरान जब एक वोट को खारिज (अमान्य) घोषित किया गया, तो

राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई। इस एक वोट के अंतर से कांग्रेस प्रत्याशी रुखसाना बानो महज एक मत से पीछे रह गईं।

मत खारिज होने की इस घटना पर कांग्रेस खेमा आक्रामक हो गया। पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे सीधे तौर पर 'लोकतंत्र की हत्या' करार दिया।

परिणाम आते ही नगर पालिका कार्यालय के बाहर दोनों दलों के समर्थक आमने-सामने आ गए, जिससे मौके पर भारी तनाव फैल गया।

पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा टकराव

दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच बढ़ती तनातनी को भांपते हुए स्थानीय प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। मौके पर मुस्तैद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रिछपाल सिंह चारण(आरपीएस) , अभिजीत पाटिल आईपीएस सहायक पुलिस अधीक्षक , और राजगढ़ थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने अपनी भारी पुलिस फोर्स के साथ अत्यंत संयम और सूझबूझ का परिचय दिया। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए स्थिति को नियंत्रण में किया और किसी भी अप्रिय घटना को टाल दिया।

माँ करणी के दरबार में टेका माथा, निकला भव्य विजय जुलूस

जीत की घोषणा के बाद नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष राकेश पूनिया ने सबसे पहले नगर पालिका के समीप स्थित माँ करणी के दरबार में पहुँचकर माथा टेका और आशीर्वाद लिया। इसके बाद समर्थकों और कार्यकर्ताओं का जोश हाई दिखा। ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच एक भव्य काफिला शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए उनके मुख्य कार्यालय के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के कई दिग्गज नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र झाझड़िया, प्रो. दिलीप पूनिया, डॉ. कौशल पूनिया, जोगेंद्र झाझड़िया, भाजपा जिला प्रवक्ता विमल पूनिया, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गोपाल शर्मा, कृष्ण जांगिड़ और प्रवेश ख्यालिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश पूनिया का भव्य स्वागत किया और उन्हें इस रोमांचक जीत पर बधाई दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश पूनिया ने अपनी इस जीत को पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत और शहर की जनता का आशीर्वाद बताया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे बिना किसी भेदभाव के राजगढ़ के विकास कार्यों को गति देंगे।

बारिश से कमजोर हुई दीवार ने कानपुर में ली महिला की जान

अब तक दो दर्जन से अधिक लोगों की असमय मौत का कारण बन चुकी बारिश

स्मार्ट हलचल

कानपुर। यहां बारिश लोगों की असमय मौत का कारण लगातार बन रही है। वह अब तक जिले में लगभग दो दर्जन से अधिक लोगों की जान लेने में सफल हो चुकी है । इसी क्रम में उसने एक और महिला की भी जान ले ली। उसकी मौत बारिश से कमजोर हुई दीवार के ढह जाने की वजह से हुई। यह घटना महाराजपुर थानाक्षेत्र के सरसौल क्षेत्र के नवोदय नगर में हुई। यहां बारिश के दौरान कमजोर हो चुकी पक्की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार के पास बकरी के बच्चों को खिला रहीं किसान अशोक कुमार की पत्नी सुलेखा (45) मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिसकी

तेज आवाज सुनकर पहुंचे परिजनों और आसपास के लोगों ने मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकाला और तत्काल ही सरसौल सीएचसी से स्वरूप नगर के निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के बाद उनकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सरसौल के नवोदय नगर निवासी अशोक कुमार की पत्नी सुलेखा दोपहर करीब तीन बजे घर के दरवाजे के पास बंधी बकरी के बच्चों को चारा खिला रही थीं। परिजनों के मुताबिक, लगातार बारिश के कारण घर की पक्की लेकिन कमजोर दीवार की हालत खराब हो गई थी। अचानक दीवार सुलेखा के ऊपर जा गिरी और वह मलबे में दब गईं। इस दौरान आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग दौड़े और मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकाला। भतीजे अर्पित और आलोक अन्य परिजन के साथ आनन-फानन में सुलेखा को सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका और उसने इलाज के दौरान ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ।

प्रधानाचार्य नवीन कुमार सैनी को राष्ट्रीय शिक्षक गौरव अवार्ड

आदर्श विद्या मंदिर ब्यावर की शैक्षिक उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार खींची ब्यावर । आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, ब्यावर के प्रधानाचार्य नवीन कुमार सैनी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, सामाजिक सरोकार, समर्पण एवं श्रेष्ठ परीक्षा परिणामों के लिए 'राष्ट्रीय शिक्षक गौरव अवार्ड' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में 20 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन एवं शिक्षक दिवस समापन महोत्सव में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच फाउंडेशन की ओर से आयोजित समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 51 विशिष्ट शिक्षकों एवं प्रतिभाओं को सम्मानित किया

गया। कार्यक्रम में शिक्षा, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, विश्व बंधुत्व एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. हुकुम चंद गणेशिया ने की। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति जे.के. रांका, न्यायमूर्ति डॉ. ईश्वर मसरूर कुद्दुसी, राज्यसभा सांसद नागेन्द्र राय उर्फ अनंत महाराज, वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. ए.पी. सिंह तथा पूर्व सांसद विजयपाल तोमर सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य नवीन कुमार सैनी को मिले राष्ट्रीय सम्मान से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन ने इसे आदर्श विद्या मंदिर ब्यावर के साथ ही पूरे ब्यावर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश लड्ढा, जिला मंत्री मनोज कुमार टेलर, जिला सचिव संजय शर्मा, प्रबंध समिति अध्यक्ष रमेश चंद्र भराड़िया, सचिव हेमेंद्र दगदी, कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश टेलर सहित प्रबंध समिति सदस्यों, आचार्य-दीदी परिवार, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शुभचिंतकों ने सैनी को बधाई दी।

गणेशोत्सव में गूंजे भजनों के सुर, प्रतियोगिताओं में दिखा समाजबंधुओं का उत्साह

महर्षि पाराशर पारीक सेवा संस्थान का गणेश चतुर्थी उत्सव हर्षोल्लास से सम्पन्न, विजेताओं को किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल

कोटा। महर्षि पाराशर पारीक सेवा संस्थान, कोटा की ओर से गणेश चतुर्थी उत्सव पारीक समाज भवन में संस्था अध्यक्ष रमेश शर्मा व्यास के सानिध्य में श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। अध्यक्ष रमेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ हुआ। इसके बाद गणेश भजनों पर नृत्य प्रतियोगिता सहित विभिन्न रचनात्मक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया अध्यक्ष रमेश शर्मा ने बताया कि उत्सव के दौरान मोदक-लड्डू डेकोरेशन, बहू-बेटी गणपति चैलेंज, बच्चों के लिए गणेशजी ड्राइंग एवं कलरिंग, 'मेरे गणेशजी' एक मिनट बोलो, गणेश सजाओ, प्रश्नोत्तरी, हाऊजी एवं कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में बच्चों, महिलाओं एवं समाजबंधुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उन्हे पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटा के मौजी बाबा आश्रम से महामंडलेश्वर पूज्य हेमा सरस्वती जी रहीं। महासचिव सत्यनारायण पारीक ने आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर भगवान गणेश की महाआरती की गई और महाभोग लगाया गया। इस अवसर पर सत्यनारायण पुरोहित, पंकज व्यास, विजयराज पारीक, देवराज पारीक, कैलाशचंद पारीक, परमानंद पारीक, महेश पारीक, रमेश पारीक, रमाकांत पारीक, रामावतार पुरोहित, राधेश्याम जोशी, देवकीनंदन पारीक, सुरेशचंद व्यास, रमेशचंद्र पारीक, मोतीमहल, रविप्रकाश पारीक, विनोद पारीक, ओमप्रकाश पारीक, केदार पारीक, नीलेश पारीक, सच्चिदानंद पारीक,गीता व्यास, कल्पना शर्मा एडवोकेट, महिला अध्यक्ष सुमन व्यास, रश्मि पारीक, रानी पारीक, कामिनी पारीक, विजया पारीक, अल्का पुरोहित, मैना पारीक, कल्पना व्यास, कल्पना पारीक, मोना पारीक,नमिता पारीक,अनीता पारीक, बबिता पारीक, करुणा पुरोहित, शोभा पारीक, निर्मला पारीक सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

भवानी मंडी पालिका अध्यक्ष पद कांग्रेस की पिंकी गुर्जर विजयी घोषित

भाजपा के सुनीश दीक्षित 12 मतों से पराजित

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी / भवानी मंडी पालिका अध्यक्ष पद के लिएहुए मतदान में आज कांग्रेस की पिंकी गुर्जर

को 12 मतों से विजयी घोषित किया गया पालिका चुनाव में कांग्रेस को 26 भाजपा को 13 वार्डों में जीत मिली थी तथा एक वार्ड में निर्दलीय को जीत हासिल हुई थी बाद में निर्दलीय पार्षद ने सोशल मीडिया पर कांग्रेस के पक्ष में अपना समर्थन दे दिया था आज हुई वोटिंग में भाजपा को एक मत ज्यादा मिला जो चर्चा का विषय बन गया लगभग डेढ़ माह से राजनीतिक हल्का में चल रहे अटकलें को विराम लग गया डेढ़ माह से पहले वार्डों में जीत हार के अटकलें का बाजार गर्म था पार्षदों के परिणाम आने के बाद अध्यक्ष कौन बनेगा यह अटकलें लगाई जा रही थी आज उन सभी अटकलें पर विराम लग गया थोड़ी बहुत चर्चा उपाध्यक्ष पद की है किंतु उसमें भी अब ज्यादा उलट फेर की संभावनाएं काम है पिंकी गुर्जर पूर्व में एक बार पालिका अध्यक्ष रह चुकी है वह दूसरी बार अध्यक्ष बनी है एक बार उनके ससुर रामलाल गुर्जर भी पालिका अध्यक्ष रह चुके हैं लगातार तीसरी बार रामलाल गुर्जर के परिवार का अध्यक्ष चुने जाने से स्थानीय राजनीति में गुर्जर परिवार का दबदबा बढ़ा है पालिका अध्यक्ष के लिए चले इस घटनाक्रम में सुबह 9:30 बजे दोनों प्रत्याशी पिंकी गुर्जर तथा सुनीश दीक्षित मतदान केंद्र पर पहुंचे पहले भाजपा पार्षदों ने मतदान किया उसकी कुछ देर बाद कांग्रेस पार्षदों ने एक साथ आकर मतदान किया पूर्व पालिका अध्यक्ष रामलाल गुर्जर का भाजपा को एक वोट ज्यादा मिलने के बारे में कहना था कि उनका एक वोट भाजपा खेमे में था इस हिसाब से उनके 28 मत आने थे किंतु 26 मत प्राप्त हुए उनका कहना है कि दो पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की स्थानीय जनता को रामलाल गुर्जर के पूर्व कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को देखते हुए शहर में पुन विकास की उम्मीदें हैं

पावटा-प्रागपुरा में कांग्रेस का दबदबा, मीना सैनी बनीं नगरपालिका अध्यक्ष

25 वोट लेकर भाजपा की मंजू अग्रवाल को 7 मतों से हराया, 43 पार्षदों ने किया मतदान, दो रहे अनुपस्थित

मीना सैनी बोलीं-यह जीत कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्रराज गुर्जर समेत समस्त जनता की

स्मार्ट हलचल

पावटा नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा के अध्यक्ष पद के लिए सोमवार को पावटा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुए चुनाव में कांग्रेस ने अपना बोर्ड बनाने में सफलता हासिल की। कांग्रेस पार्टी से अध्यक्ष पद की प्रत्याशी मीना सैनी पत्नी अजय सैनी ने भाजपा प्रत्याशी मंजू अग्रवाल को 7 मतों के अंतर से पराजित कर नगरपालिका के अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। मीना सैनी के पक्ष में 25 वोट डले, जबकि मंजू अग्रवाल को 18 वोट मिले। कुल 45 निर्वाचित पार्षदों में से 43 ने मतदान किया, जबकि दो पार्षद मतदान के लिए उपस्थित नहीं हुए। परिणाम सामने आते ही कांग्रेस खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के 45 वार्डों में हुए चुनाव में कांग्रेस ने 22, भाजपा ने 16 और निर्दलीय प्रत्याशियों ने 7 वार्डों में जीत दर्ज की थी। 45 सदस्यीय बोर्ड में चेयरमैन के लिए बहुमत का आंकड़ा 23 था। कांग्रेस अपने 22 पार्षदों के साथ बहुमत से महज एक वोट दूर थी। सोमवार को

हुए चेयरमैन चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीना सैनी को 25 मत मिलने के साथ ही कांग्रेस ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। कांग्रेस को अपने पार्षदों के अलावा मिले अतिरिक्त मतों के बाद नगरपालिका में कांग्रेस का बोर्ड बन गया। नवनिर्वाचित चेयरमैन मीना सैनी प्रागपुरा निवासी कैलाश चंद सैनी (बिड़ला) की पुत्रवधू तथा कांग्रेस जिला महासचिव अजय सैनी की पत्नी हैं। सैनी परिवार का लंबे समय से क्षेत्र की सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ाव रहा है। मीना सैनी की सास मामली देवी प्रागपुरा कस्बे में तीन बार सरपंच रह चुकी हैं। वहीं उनके ससुर कैलाश चंद सैनी भी क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। परिवार से जुड़े लोगों के अनुसार स्थानीय लोगों के सुख-दुःख में सहभागिता, सामाजिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी और लगातार जनसंपर्क के कारण सैनी परिवार की क्षेत्र के विभिन्न समाजों में पहचान बनी हुई है। मीना सैनी के पति अजय सैनी भी लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हुए हैं और संगठनात्मक गतिविधियों के साथ क्षेत्र के लोगों के बीच सामाजिक स्तर पर सक्रिय रहे हैं। ऐसे में चेयरमैन पद पर मीना सैनी की जीत को परिवार की सामाजिक पृष्ठभूमि और लंबे समय से चले आ रहे स्थानीय जनसंपर्क से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जीत के बाद नवनिर्वाचित चेयरमैन मीना सैनी ने कहा कि यह जीत केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं है, बल्कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्रराज गुर्जर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पावटा-प्रागपुरा की समस्त जनता की जीत है। उन्होंने चुनाव में सहयोग और समर्थन देने वाले सभी पार्षदों एवं क्षेत्रवासियों का आभार जताते हुए कहा कि नगरपालिका के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा। नगरपालिका क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के साथ आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर काम किया जाएगा। चेयरमैन चुनाव को लेकर सोमवार सुबह से ही राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल पावटा स्थित मतदान केंद्र पर राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। मतदान केंद्र के आसपास बैरिकेडिंग कर प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था की गई तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस जाब्ता तैनात रहा। मतदान प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस के पूर्व विधायक एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रराज गुर्जर तथा विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ के बीच तीखी नोकझोंक की स्थिति भी बनी। कांग्रेस की ओर से मतदान केंद्र की बैरिकेडिंग और प्रवेश व्यवस्था को लेकर आपत्ति जताते हुए अधिकारियों के समक्ष विरोध दर्ज कराया गया। मामला बढ़ता देख मौके पर मौजूद पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाला। मतदान केंद्र के बाहर काफी देर तक गहमागहमी बनी रही, लेकिन प्रशासन की निगरानी में मतदान प्रक्रिया पूरी कराई गई। चेयरमैन पद के लिए सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान हुआ। कुल 45 निर्वाचित पार्षदों में से 43 पार्षदों ने मतदान किया, जबकि दो पार्षद मतदान केंद्र पर नहीं पहुंचे। मतदान समाप्त होने के बाद मतग...

निकायों के अध्यक्षीय पदों के लिए चुनाव संपन्न पारस सिंघवी बने उदयपुर के नए महापौर

स्मार्ट हलचल

उदयपुर । नगरीय निकाय चुनाव-2026 के तहत निकायों के अध्यक्षीय पद के लिए निर्वाचन सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। उदयपुर में भाजपा प्रत्याशी पारस सिंघवी नए महापौर बने। वहीं वल्लभनगर और मावली में भाजपा और भीण्डर और कानोड़ में कांग्रेस प्रत्याशी विजयी रहे। उधर, फतहनगर सनवाड़ में निर्दलीय प्रत्याशी अध्यक्ष चुनी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम उदयपुर सहित भींडर, वल्लभनगर, कानोड़, मावली एवं फतहनगर सनवाड नगरपालिकाओं में सोमवार सुबह 10 बजे से अध्यक्षीय पदों के लिए मतदान प्रारंभ हुआ। इसमें निर्वाचित पार्षदगण ने मतदान किया। मतदान समाप्ति के बाद मतगणना की गई। उदयपुर नगर निगम में कुल 80 पार्षदों ने मतदान किया। इसमें भाजपा प्रत्याशी पारस सिंघवी को 55 और कांग्रेस प्रत्याशी डॉ पूनम कुंवर को 25 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार भाजपा प्रत्याशी श्री सिंघवी 30 मतों से विजयी घोषित हुए। रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम गिर्वा अवुला सांईकृष्ण ने उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा तथा शपथ दिलाई। इस दौरान सहायक रिटर्निंग अधिकारी एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा भी उपस्थित रहे।

इससे पूर्व नगर निगम परिसर में कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच मतदान प्रक्रिया हुई। दोनों पक्षों के निर्वाचित पार्षद नगर निगम पहुंचे तथा मतदान किया। इस दोनों बड़ी संख्या में समर्थक भी उपस्थित रहे। उधर, नगरपालिका भीण्डर में कांग्रेस के सुंदरलाल को 14 और भाजपा की मीना देवी को 11 मत मिले। सुंदरलाल 3 मतों से विजयी रहे। नगरपालिका वल्लभनगर में भाजपा की सोवनी देवी को 16 और कांग्रेस की रामी देवी को 4 मत मिले। सोवनी देवी 12 मतों से विजयी रही। नगरपालिका मावली में भाजपा के राकेश कुमार मीणा को 11 और कांग्रेस की पुष्पा कुमारी को 10 मत मिले। राकेश कुमार 1 मत से विजयी रहे। नगरपालिका कानोड़ में कांग्रेस के रोनक स्वर्णकार को 14 और भाजपा के शिवकुमार सोनी को 6 मत मिले। रोनक 8 मतों से विजय हुए। फतहनगर-सनवाड़ में निर्दलीय ममता देवी को 14 और भाजपा की सीमा देवी को 11 मत मिले। निर्दलीय प्रत्याशी 3 मतों से विजयी रही।

उपाध्यक्षीय पदों के लिए निर्वाचन मंगलवार को

नगरीय निकाय चुनावों की अंतिम कड़ी के रूप में उपाध्यक्षीय पदों के चुनाव मंगलवार को होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार सुबह 10 बजे नगर निगम सहित जिले की सभी नगरपालिकाओं में बैठक प्रारंभ होगी। 11 बजे तक नामांकन प्रस्तुत किया जा सकेगा। 11.30 बजे नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम वापसी का अंतिम समय दोपहर 2 बजे तक रहेगा। इसके बाद आवश्यकता होने पर दोपहर 2.30 बजे से 5 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी।

दिल्ली एसआईआर में आडवाणी, पूर्व सेनाध्यक्ष और बांसुरी स्वराज को भी नोटिस, वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों पर ईसी की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में सामने आ रही खामियों के चलते कई नामचीन हस्तियों के नाम भी जांच के दायरे में आए हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, सांसद बांसुरी स्वराज, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई प्रमुख मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं या नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है।

इनमें अधिकतर मामले पिछली स्ढ्ढक्रकी मतदाता सूची से मैपिंग नहीं होने या नाम और अन्य विवरणों में तार्किक विसंगतियों के बताए गए हैं। सबसे चौंकाने वाला मामला दिवंगत अर्थशास्त्री और पद्म पुरस्कार से सम्मानित बिबेक देबराय का सामने आया है। वर्ष 2024 में निधन के बावजूद उनका

नाम मतदाता सूची में दर्ज मिला और उन्हें भी नोटिस जारी कर दिया गया।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी सूची के अनुसार करीब 33.13 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने हैं। इनमें 31.63 लाख से अधिक मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर से सामने आई 11 तरह की 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' और पिछली स्ढ्ढक्र सूची से 'नो-मैपिंग' के आधार पर ये नोटिस दिए जा रहे हैं।

नो-मैपिंग या अनमैप्ड श्रेणी में पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उनकी पुत्री प्रतिभा और बहू गीतिका आडवाणी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी कल्पना दास, सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक कैलाश गहलोत तथा पूर्व विदेश सचिव विक्रम मिसरी के नाम शामिल हैं। निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू को गणना प्रपत्र और मतदाता सूची में नाम के अंतर के कारण नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है। रिकॉर्ड में नाम 'डॉ. एसएस संधू' और 'सुखबीर सिंह संधू' दर्ज होने का अंतर सामने आया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की पत्नी तेजस्विनी भूषण गवई को 'सेल्फ नेम मिसमैच' पर नोटिस दिया गया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और बेटे मीर के नाम भी नोटिस सूची में हैं। सिसोदिया को रिकॉर्ड मैपिंग न होने, जबकि परिवार के सदस्यों को नाम में अंतर के कारण नोटिस दिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को उम्र में विसंगति और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'अनमैप्ड वोटर' श्रेणी में नोटिस मिला है। इनके अलावा दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, राज्यसभा सदस्य अजय माकन, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा, पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, पूर्व थल सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी, सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, सेबी अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे, नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल का नाम भी सूची में सामने आया है।

दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्कों में मिले 'प्रकृति के प्रहरी', पहली बार दिखीं ड्रैगनफ्लाई की 2 नई प्रजातियां

नई दिल्ली, एजेंसी। कंक्रीट के बढ़ते जंगल के बीच दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्क प्राचीन उड़ने वाले जीवों के लिए सुरक्षित ठिकाने बन रहे हैं। दिल्ली विकास प्रधिकरण (डीडीए) के सात बायोडायवर्सिटी पार्कों में हुए तीन दिवसीय ड्रैगनफ्लाई एवं डैम्सेलफ्लाई सर्वे में दो ऐसी प्रजातियां पहली बार दर्ज की गईं, जो पहले इन पार्कों के रिकार्ड में नहीं थीं। अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क में येलो-टेल्ड ऐशी स्किमर और यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क में ब्लू ग्रास डार्ट देखी गई। 17 से 19 सितंबर तक हुए सर्वे में विज्ञानियों, शोधकर्ताओं और विभिन्न कालेजों के छात्रों ने सभी सात पार्कों में इन कीटों की मौजूदगी दर्ज की। सर्वे के मुताबिक यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क में इस साल 23 प्रजातियां दर्ज हुईं, जो 2025 की 21 प्रजातियों से अधिक हैं। अरावली में 16, कमला नेहरू रिज में 22, तुगलकाबाद में 12, नीला हौज में 13, तिलपथ वैली में चार और कालिंदी बायोडायवर्सिटी पार्क में 15 प्रजातियां मिलीं। सातों पार्कों में कुल 11,154 ड्रैगनफ्लाई और डैम्सेलफ्लाई दर्ज की गई। सबसे ज्यादा 4234 कालिंदी पार्क में और 2520 कमला नेहरू रिज में मिलीं। ड्रैगनफ्लाई केवल देखने में आकर्षक कीट नहीं हैं। इनके वयस्क और पानी में रहने वाले निम्फ दोनों शिकारी होते हैं। एक वयस्क ड्रैगनफ्लाई रोजाना 30 से 100 तक मच्छर खा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भारत बनेगा एशिया का सेमीकंडक्टर हब! पांच साल में वैश्विक चिप सप्लाई चेन में मजबूत होगी पकड़

नईदिल्ली, एजेंसी। द्वारका स्थित यशोभूमि में संपन्न हुए सेमीकान इंडिया 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक तकनीकी और औद्योगिक मानचित्र पर भारत अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आ खड़ा हुआ है। तीन दिवसीय सम्मेलन में जापान, जर्मनी, ताइवान और चेक गणराज्य जैसे दिग्गजों के स्टालों पर हुई चर्चाओं का सार यही रहा कि भले ही भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी गति और नीतिगत दिशा अभूतपूर्व है। ताइवान, चीन, वियतनाम, मलेशिया, अमेरिका

और यूरोपीय संघ जैसी स्थापित ताकतों से मुकाबले के बावजूद, विशेषज्ञों का मानना है कि यही रफ्तार बनी रही तो अगले पांच वर्षों में भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की मुख्यधारा में अपनी जगह पक्की कर लेगा।

हम अभी कहां हैं

वर्तमान में, भारत चिप डिजाइनिंग में पहले से ही मजबूत है और दुनिया का 20 प्रतिशत से अधिक सेमीकंडक्टर डिजाइन कार्यबल भारत के पास है। लगभग हर प्रमुख फैबलेस कंपनी का डिजाइन सेंटर यहां सक्रिय है। अब भारत डिजाइनिंग से आगे बढ़कर फैब्रिकेशन और असेंबली/पैकेजिंग में उतर चुका है। गुजरात के धोलेरा व सानंद, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में प्लांट्स का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। जापानी प्रतिनिधिमंडल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में चिप डिजाइन का अनुभव विश्वस्तरीय है। फैब्रिकेशन और असेंबली में प्रवेश करते समय असली चुनौती शुद्धता और सटीकता बनाए रखने की होगी। हमने आवश्यक उपकरणों और अति-शुद्ध तकनीकों में सहयोग बढ़ाया है। यदि यह गति बनी रही, तो अगले पांच वर्षों में भारत एशिया का प्रमुख सेमीकंडक्टर हब बन जाएगा।

दुनिया को भारत की जरूरत क्यों है

ताइवान जलडमरूमध्य में भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला संकट ने यह सबक दिया है कि उत्पादन को एक ही स्थान पर केंद्रित रखना जोखिम भरा है। इसलिए, दुनिया एक सुरक्षित व भरोसेमंद साझेदार की तलाश में है। भारत अपनी स्थिर लोकतांत्रिक व्यवस्था, विशाल घरेलू इलेक्ट्रानिक्स बाजार और युवा कार्यबल के कारण सबसे मुफीद विकल्प है। चेक गणराज्य के प्रतिनिधि ने बताया कि सेमीकंडक्टर केवल एक प्लांट लगाने का नाम नहीं, बल्कि एक जटिल इकोसिस्टम है। यूरोप भारत को रसायनों, विशेष उपकरणों और लाजिस्टिक्स के लिए एक दीर्घकालिक भागीदार के रूप में देख रहा है। भारत का युवा कार्यबल और पारदर्शी नीतियां हमारी सबसे बड़ी उम्मीद हैं।

इकोसिस्टम का कायाकल्प: रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और रोजगार

सेमीकंडक्टर उद्योग अपने साथ एक विशाल आर्थिक इकोसिस्टम विकसित करता है। फैब प्लांट्स के आसपास अत्याधुनिक औद्योगिक कारिडोर, अनुसंधान केंद्र और हाई-टेक टाउनशिप बनने से रियल एस्टेट में दीर्घकालिक उछाल आ रहा है। अति-संवेदनशील रसायनों, गैसों और सिलिकान वेफर्स के सुरक्षित परिवहन के लिए ''कोल्ड-चेन लाजिस्टिक्स'' का नया बाजार तैयार हो रहा है, जिससे लाखों उच्च-वेतन वाले प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा हो रहे हैं। चिप विनिर्माण की प्रक्रिया जितनी सूक्ष्म है, संसाधनों की खपत उतनी ही विशाल। एक फैब को रोजाना लाखों गैलन पानी चाहिए।

1648 वाले लुक में वापस लौटा लाल किले का लाहौरी गेट, 378 साल बाद फिर दिखा मुगलकालीन रूप

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्र की गौरव गाथा का साक्षी विश्व धरोहर लाल किला के जिस लाहौरी गेट की प्राचीर से प्रधानमंत्री हर साल स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हैं। इस गेट का वेल एरिया (गोलाकार एरिया) अब बदला बदला नजर आता है, जो अभी तक गहरे लालरंग में रंगा था अब वहां का एरिया हल्के कत्थई रंग में दिखता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

(एएसआइ) ने अध्ययन के बाद लाल रंग को हटा दिया है और इसे उसी रंग में लाया गया है जिस रंग में लालकिला का यह भाग 1648 में बनाए जाने के समय था। एएसआइ ने लाल किले के दिल्ली गेट का भी अध्ययन कराया है। अगले कुछ समय में इसका भी रंग बदला जाएगा। लाहौरी गेट के काम से पहले की स्थिति ऐसी थी कि दीवारों पर कई परतों में लाल रंग लगा था, जिससे नमी दीवारों के अंदर जा रही थी। एएसआइ की मानें तो इससे दीवार की प्राकृतिक क्षमता प्रभावित हुई है। मूल मुगलकालीन अनगढ़े पत्थरों की चिनाई और मेहराबों की विशेषताएं भी पेंट के नीचे छिपी थीं। अब एएसआइ द्वारा पुराने पेंट की परतों को मूल चिनाई को नुकसान पहुंचाए बिना सैंड ब्लास्टिंग तकनीक से हटाया गया है। सैंड ब्लास्टिंग एक ऐसी सरफेस फिनिशिंग प्रक्रिया है, जिसमें उच्च दबाव वाली कंप्रेस्ड हवा का उपयोग करके तेज गति से बालू के कणों को सतह पर डाला गया है। इसके बाद हिल रहे ढीले पत्थरों को मजबूत किया गया और दरारों की भराई तथा दीवार की मजबूती के लिए चूने के गारे से प्वाइंटिंग की गई है।

सेंट स्टीफन से पुरानी दिल्ली स्टेशन तक

अब एएसआई संभालेगा 100 साल पुरानी इमारतें ; एमसीडी जल्द सौंपेगा लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण और रखरखाव को बेहतर करने के लिए एमसीडी ने 100 साल से अधिक पुरानी इमारतों की पहचान की है।

इसमें 38 इमारतों की पहचान में 16 इमारतों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड की पुष्टि हो गई है जबकि शेष 22 इमारतों के रिकॉर्ड की पुष्टि करने के बाद इन्हें भी इसी सूची में शामिल कर लिया जाएगा। सूची पूरी होते ही इसे एमसीडी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को सौंपेगा। ताकि वह इन्हें संरक्षित करने की दिशा में आगे कोई योजना बना सके। जो इमारतें फिलहाल चिह्नित की गई है उसमें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से लेकर, सराय रोहिला और सब्जी मंडी और शाहदरा जैसे रेलवे स्टेशन हैं जबकि रामजस कॉलेज, सेंट स्टीफन कॉलेज, जाकिर हुसैन कॉलेज, हिंदू कॉलेज जैसे महाविद्यालय हैं।

एमसीडी के हेरिटेज सेल से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि हमें स्ढ्ढ ने ही 100 से अधिक पुरानी इमारतों की पहचान करके देने का आदेश दिया था।

इसके बाद ऐतिहासिक दस्तावेज और घटनाओं का अध्ययन करने के बाद हमने इन इमारतों की सूची बनाई है। साथ ही उसमें यह भी जानकारी दी है कि वर्तमान उसकी स्थिति क्या है और उसका ऐतिहासिक महत्व भी क्या है। साथ ही वर्तमान में वह किसके स्वामित्व में है इसकी जानकारी एकत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि जैसे की पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन हैं। यह स्टेशन 1900 में बनना शुरू हुआ और 1903 में यात्रियों के लिए सुचारु हो गया था। दिल्ली में जब रेल से पहली बार दिल्ली में आए तो यहीं पर उतरें थे।

इसी प्रकार शाहदरा स्टेशन की शुरुआत 1907 में हुई। इसी प्रकार मध्य दिल्ली में स्कूली शिक्षा के स्थान भी 100 वर्ष से अधिक पुराने हैं। जामा मस्जिद के चिप्पीवाडा में स्थित इंद्रप्रस्थ हिंदू गर्ल्स सीनियर सेंकेडरी स्कूल 1904 में शुरू हुआ था। इसी प्रकार दरियागंज का कमर्शियल सीनियर सेंकेडरी स्कूल और रामजस सीनियर सेंकेडरी स्कूल भी 100 वर्ष से अधिक पुराने हैं। कमर्शियल स्कूल 1920 में शुरू हुआ। लाला श्रीराम ट्रस्ट ने इसकी शुरूआत की थी।

महिपालपुर में जलभराव-जाम पर दिल्ली हाई कोर्ट नाराज, एजेंसियों से पूछा- जिम्मेदारी कौन लेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। आइजीआइ एयरपोर्ट और गुरुग्राम जाने वाली सड़क के पास महिपालपुर इलाके में बार-बार होने वाले जलभराव व जाम की समस्या पर दिल्ली हाई कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ), दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) और दूसरी एजेंसियों को फटकार लगाते हुए न्यायामूर्ति प्रतिबा एम. सिंह व न्यायामूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि कई बैठकों और कागजी कार्रवाई के बावजूद समस्या हल करने के लिए न तो किसी की जिम्मेदारी तय की गई और न ही समयसीमा। पीठ ने कहा कि महिपालपुर में जलभराव की तस्वीरों को देखकर इन एजेंसियों को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ क्योंकि कोई भी एजेंसी जलभराव या ट्रैफिक जाम की समस्या को ठीक करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। उक्त टिप्पणियों के साथ पीठ ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को बैठकें जारी रखने और अगली सुनवाई तक एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट में शार्ट-टर्म और लान्ग-टर्म उपायों और हर उपाय के लिए जिम्मेदार एजेंसी या संस्था की जानकारी होनी चाहिए।

कन्हैया-जाखड़ ने डुबोई लुटिया, डुसू चुनाव में 11 साल बाद एनएसयूआई जीरो पर आउट; दीपांशु फैक्टर पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। डूसू चुनाव के बीच सत्य निकेतन हादसे से जिस तरह निजी पीजी में रहने वाले हजारों छात्रों की सुरक्षा और छात्रावास बड़ा चुनावी मुद्दा बना।

इसी तरह, कुछ और मुद्दे भी थे, जिससे के पक्ष में माहौल होने के अनुमान लगाए जा रहे थे। लेकिन परिणाम बताते हैं कि वह मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने, छात्रों को समझाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। इसके साथ संगठन की पूरी रणनीति टिकट वितरण और उम्मीदवारों के चयन में टकराहट को सुलटाने में ही लगी रही। नतीजतन, बेहतर माहौल के बावजूद 11 वर्ष बाद ह्रस्ढ्ढ का डूसू से सूपड़ा ही साफ हो गया है।

इस करारी हार से संगठन का शीर्ष नेतृत्व और उनकी रणनीति कठघरे में है। क्योंकि, टिकट कटने से निर्दलीय मैदान में उतरें उसके कार्यकर्ता दीपांशु शौकीन ने उपाध्यक्ष पद पर उसे पटखनी दी।

राजनीतिक जानकार कहते हैं कि इस करारी हार की बड़ी वजह टिकट बंटवारे को लेकर संगठन के भीतर खींचतान रही,

जिसने स्थिति और जटिल कर दी। सबसे बड़ा झटका दीपांशु शौकीन की बगावत से लगा। उन्होंने 30,615 वोट लेकर उपाध्यक्ष पद जीत लिया। एबीवीपी के ईशु मौर्या को 13,705 वोट से हराया, जबकि वीर चतरथ को 4313 वोट ही मिले। यानी जिस चेहरे को संगठन अपने साथ नहीं रख सका, वही उसके आधिकारिक उम्मीदवार से कई गुना अधिक वोट लेकर जीत गया।

टिकट वितरण में ह्रस्ढ्ढ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ और प्रभारी कन्हैया कुमार की भूमिका को लेकर संगठन के भीतर सवाल उठ रहे हैं। संगठन के लोग दीपांशु को टिकट नहीं देने के निर्णय में कन्हैया कुमार का नाम लेते हैं।

हालांकि, कन्हैया कुमार के करीबी कहते हैं कि दीपांशु को अध्यक्ष पद की पेशकश की गई थी। लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसी मतभेद के कारण उनका टिकट कटा। यह भी कहा गया कि नामांकन वापसी के दिन दीपांशु ने संगठन से चर्चा किए बिना अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पद से अपना नाम वापस ले लिया था और केवल उपाध्यक्ष पद पर मैदान में रहे। इससे संगठन में नाराजगी थी। राजस्थान से जुड़े उम्मीदवारों को तरजीह दिए जाने की चर्चा ने भी संगठन के भीतर असंतोष बढ़ाया। अध्यक्ष पद पर विजय शंकर मीणा और संयुक्त सचिव पद पर लड़े गोपाल चौधरी राजस्थान से हैं। संयुक्त सचिव पद पर विशेष यादव को टिकट दिए जाने की भी चर्चा थी। टिकट नहीं मिला तो उन्होंने निर्दलीय दांव ठोक दी और 15,778 वोट लेकर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि संगठन प्रत्याशी गोपाल चौधरी को 15,206 वोट मिले। महज 572 वोट का अंतर टिकट चयन के फैसले पर सवाल खड़े करने के लिए पर्याप्त रहा।

मोहम्मद अली से शराफत अली तक उलझा रिकॉर्ड

मैं वही हूं, बस नाम में फर्क है, दिल्ली में एसआईआर कैंपों में भटक रहे वोटर; खुद को साबित करने की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। मैं वही हूं... बस नाम में फर्क है। सदर बाजार के एक पोलिंग स्टेशन पर दस्तावेजों की फाइल हाथ में लिए एक वोटर बीएलओ को यही समझाने की कोशिश कर रहा था।

कुछ किलोमीटर दूर तुर्कमान गेट में कोई शादी के बाद बदले नाम को साबित करने के लिए कागज जुटा रहा था, तो पहाड़गंज में किसी के लिए नाम की स्पेलिंग और बदला हुआ बूथ परेशानी का कारण बना हुआ था।

रविवार को स्ढ्ढक्र के विशेष कैंप में मतदाता सूची की छोटी-छोटी गड़बड़ियां लोगों के लिए बड़ी चिंता बनी नजर आई। ऊपर से कई जगह सर्वर डाउन रहा, जिससे सुधार कराने पहुंचे लोगों का इंतजार और बढ़ गया।

दिल्ली के पोलिंग स्टेशनों पर

रविवार को स्ढ्ढक्रको लेकर विशेष कैंप लगाए गए थे। मतदाताओं को उम्मीद थी कि नोटिस और मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं का मौके पर समाधान हो जाएगा, लेकिन नाम में मामूली अंतर भी कई लोगों के लिए दस्तावेज जुटाने और खुद को सही साबित करने की बड़ी चुनौती बना हुआ है। वोटर का पहले नाम मोहम्मद अली दर्ज था। अब रिकॉर्ड में शराफत अली नाम सामने आया। इसी अंतर पर नोटिस जारी हुआ। वह दस्तावेज की फाइल लेकर पहुंचे थे, ताकि स्पष्ट कर सकें कि दोनों नाम उन्हीं के हैं। उनके लिए चिंता यह थी कि रिकॉर्ड की यह गलती कहीं आगे बड़ी परेशानी न बन जाए। कई लोगों को नोटिस की जानकारी नहीं थी। बूथ बदलने के कारण भी लोग पुराने पोलिंग स्टेशन पहुंच रहे हैं। नेटवर्क की समस्या के चलते काम प्रभावित होने की बात भी सामने आई। मुल्तानी ढांडा पोलिंग स्टेशन पर 168 लोगों को नाम की स्पेंलिग में गलती और उम्र में अंतर को लेकर नोटिस जारी हुए थे।

शादी के बाद बदला नाम, फिर भी नोटिस

इसी केंद्र पर नासरीन तकी के परिवार की अलग उलझन थी। शादी से पहले उनका नाम नासरीन खानम था और शादी के बाद नासरीन तकी हो गया। पिछली स्ढ्ढक्रमें मैपिंग होने के बावजूद नाम में बदलाव को लेकर नोटिस आया। उनका बेटा, मां के पुराने और नए नाम से जुड़े दस्तावेज लेकर शिविर में पहुंचा। वह बताते हैं कि सामान्य वैवाहिक नाम बदलाव को साबित करने के लिए अब अतिरिक्त कागज कहां से लाए। वहीं, बीएलओ जौहर सुल्ताना ने बताया कि कई परिवारों में छह से अधिक भाई-बहनों के मामलों में उम्र के कम अंतर को लेकर भी नोटिस आए हैं।

डिमेंशिया मरीजों से अब अपनों की आवाज में बात करेगी एआई, 'स्मृति' से बेचैनी और आक्रामकता में 32% कमी का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। डिमेंशिया में जब याददाश्त कमजोर होने लगती है तो मरीज धीरे-धीरे परिचित चेहरों और रिश्तों को भी पहचानने में कठिनाई महसूस कर सकता है। ऐसे समय में अपनों की आवाज भावनात्मक सहारा बन सकती है। इसी सोच पर आधारित 'स्मृति' नाम की एआइ पहल विकसित की गई है, जो डिमेंशिया मरीजों से उनके करीबी व्यक्ति की परिचित आवाज में बातचीत करती है और पुरानी यादों से जुड़े संवाद के जरिये उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ने का प्रयास करती है। शोधकर्ता आहाना के अनुसार, 'स्मृति' में मरीज के बेटे, बेटी या जीवनसाथी की आवाज का एआइ के माध्यम से स्वरूप तैयार किया जाता है। इसके बाद

व्हाट्सऐप के जरिये मरीज से नियमित बातचीत कराई जाती है। इसमें सुबह हालचाल पूछना, भोजन या दवा की याद दिलाना, पुरानी घटनाओं और परिचित लोगों का जिक्र करना जैसी बातचीत शामिल हो सकती है। संवाद मरीज की आवश्यकता के अनुसार तैयार किया जाता है। बातचीत के दौरान मरीज की प्रतिक्रिया और भावनात्मक स्थिति में बदलाव को समझने का भी प्रयास किया जाता है और आवश्यकता होने पर परिवार के सदस्य को स्थिति में बदलाव की जानकारी दी जा सकती है। विशेष बात यह है कि आहाना अभी 12वीं कक्षा की छात्रा हैं, अपने कालेज प्रोजेक्ट के तहत उन्होंने मोरिंगो एशिया अस्पताल अध्यक्ष डा. प्रवीण के नेतृत्व में इस शोध को पूरा किया। आहाना ने बताया कि 'स्मृति' से जुड़े अध्ययन में 400 से अधिक मरीजों को शामिल किया गया। अध्ययन में मरीजों को इसके लिए कोई दवा नहीं दी गई। इसके बावजूद बेचैनी, उत्तेजना, आक्रामकता और घबराहट जैसे लक्षणों में 32 प्रतिशत कमी देखी गई। इस पहल के लिए प्रोविजनल पेटेंट भी दर्ज कराया गया है। आहाना ने अल्जाइमर की पहचान में इस्तेमाल होने वाले अल्जाइमर डिजीज असेसमेंट स्केल-काग्निटिव सबस्केल (एडीएएस-काग) पर भी शोध किया है।

21 साल के पाकिस्तानी बल्लेबाज ने ठोका हाहाकारी शतक

ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी

सीपीएल यानी कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में पाकिस्तानी बल्लेबाज के बल्ले का धमाल देखने को मिला. 21 साल का ये वही पाकिस्तानी बल्लेबाज है, जिसके नाम सीपीएल के सबसे छोटे सेंचुरियन होने का भी रिकॉर्ड दर्ज है. हम बात कर रहे हैं माज सदाकत की, जिन्होंने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया और सीपीएल 2026 में अपना दूसरा शतक जड़ा है. इससे पहले माज सदाकत ने एलिमिनेटर मुकाबले में भी शतक जड़ा था और सीपीएल में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने थे. सीपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ जमैका किंग्समेन ने पहले बल्लेबाजी की. जमैका किंग्समेन के लिए माज सदाकत और किर्क मैकेन्जी ने ओपन किया. अब मैकेन्जी तो बिना खाता खोले ही आउट हो गए. लेकिन 21 साल के पाकिस्तानी माज सदाकत ने अपने इरादे साफ जता दिए. नतीजा ये हुआ कि मैच के आखिरी ओवर तक उन्होंने ना सिर्फ एक छोर संभाले रखा बल्कि जमैका किंग्समेन के स्कोर बोर्ड को भी चलाते रहे. ऐसा करते हुए माज सदाकत सीपीएल फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए.

49 गेंदों में फाइनल में जमाया शतक – माज सदाकत ने सीपीएल 2026 के फाइनल में 58 गेंदों पर 114 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. इस पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक सिर्फ 49 गेंदों में पूरा किया. ये उनके सीपीएल और टी-20 करियर का दूसरा शतक है. इससे पहले अपना पहला सीपीएल सीजन खेल रहे माज सदाकत ने एलिमिनेटर मैच में 44 गेंदों में शतक लगाया था. माज सदाकत ने एलिमिनेटर में 112 रन बनाए थे. उस लिहाज से फाइनल में बनाए 114 रन, उनके टी20 करियर का सबसे बड़ा स्कोर है.

माज सदाकत के शतक की बदौलत बने 170 रन – माज सदाकत के शतक की बदौलत ही जमैका किंग्समेन 20 ओवर में 9 विकेट पर 170 रन बनाने में कामयाब रही. उनके शतक को अगर निकाल दें तो टीम के बाकी बल्लेबाज फाइनल में फेल दिखे. बाकी बल्लेबाजों में सिर्फ एक और सैम अयूब ही दहाई के आंकड़े को पार करने में कामयाब रहे. सैम अयूब ने 29 रन बनाए और टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे. मतलब कहा जा सकता है जमैका किंग्समेन अपने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भरोसे ही फाइनल में फाइटिंग टोटल खड़ा कर सकी ।

एमएलएस : 2-2 से ड्रॉ रहा इंटर मियामी और सैन डिएगो के बीच खेला गया मुकाबला, मेसी ने दागा एक गोल

मियामी । एमएलएस रेगुलर सीजन में इंटर मियामी सीएफ और सैन डिएगो एफसी के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। इंटर मियामी को इस मैच में एक अंक मिला। टीम के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने गोल किए। मेहमान टीम सैन डिएगो एफसी ने मैच के 12वें मिनट में एंडर्स ड्रायर के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। इसके बाद 24वें मिनट में लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से शानदार गोल दागते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मेसी की फ्री-किक सीधे गोल के ऊपरी बाएं कोने में गई और गोलकीपर उसे रोक नहीं पाया। यह मेसी का इस सीजन का 20वां गोल रहा। वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। इसके साथ ही मेसी एमएलएस इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन सीजन में 20 या उससे अधिक गोल किए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एलएएफसी के डेनिस बुआंगा ने 2023 से 2025 के बीच हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स 2026:

भारत ने पाकिस्तान को धोया

कबड्डी-हॉकी में भी छाए भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारतीय खिलाड़ी कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स, वुशू, हॉकी, निशानेबाजी, तैराकी, सॉफ्ट टेनिस, बॉक्सिंग और सेपक टकरा जैसे इवेंट्स में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं. एशियन गेम्स 2026 के पहले दिन भारत ने दो सिल्वर मेडल जीते थे. सोनम मस्कर, इलावेलिन वलारिवन और विदर्सा विनोद की तिकड़ी ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भारत को रजत पदक दिलाया. फिर इलावेलिन वलारिवन ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल इवेंट में भी सिल्वर पर निशाना साधा.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल का टिकट

हासिल किया. अब विमेंस क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में भारत की टक्कर श्रीलंका से 22 सितंबर को होगी. हॉकी, टेबल टेनिस में भी भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा. मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में सुचिका तारियाल ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया. तैराकी, वुशू और टेकबॉल में भारतीय खिलाड़ियों ने निराश किया. भारत और पाकिस्तान के बीच हुए दोनों मुक़ाबलों में खेल भावना देखने को मिली. इससे पहले भारतीय महिला टीम ने भी अपने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया. बाद में भारत की 3-0 से शानदार जीत के बाद पायस जैन और पाकिस्तान की टीम ने भी नेट के पास हाथ मिलाया ।

ओडिशा टी20 लीग

गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी

संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया

कटक । संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9

चौके और 6 छक्के लगाए। गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की। आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। अभिषेक सिंह कटक पैंथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

यहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं, जापान के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा: अय्यर

सानो (जापान), एजेंसी । भारत और जापान की पुरुषों क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऐतिहासिक टी20 मैच खेला जाना है, लेकिन सोमवार को तेज बारिश के कारण भारत का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर मेजबान जापान के खिलाफ भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के पहले टी20 मैच को लेकर पूरे जोश में हैं। उन्होंने इस मुकाबले को एक नई जगह पर 'रोमांचक चुनौती' बताया है। मुकाबले से पहले अय्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'यह हमारे लिए एक रोमांचक और दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। ऐसा पहली बार है, जब हम जापान के विरुद्ध खेलेंगे। मुझे वहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन एक शानदार मैच की उम्मीद है।' भारतीय टीम पहली बार जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलने जा रही है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने जापानी खिलाड़ियों के बारे में जानने के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल क्लिप्स का सहारा लिया।

कप्तान अय्यर ने कहा, 'मैंने इधर-उधर कुछ वीडियो क्लिप्स देखी हैं। लेकिन हां, हम खिलाड़ियों के बारे में और जानकारी हासिल करेंगे और कल के मैच के लिए बहुत उत्साहित हैं। उम्मीद है कि बारिश नहीं होगी और स्टेडियम में आने वाले सभी दर्शकों को एक अच्छा, कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। ' अय्यर ने यह भी बताया कि कैसे वे देश जहां पारंपरिक रूप से क्रिकेट नहीं खेला जाता था, अब तेजी से इस खेल को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन हां, अब हर देश में क्रिकेट लोकप्रिय हो रहा है और सभी टीमें अपने-अपने तरीके से मजबूत हो रही हैं। इसलिए मुझे यकीन है कि कल का मैच भी रोमांचक होगा। ' भारतीय टीम के लिए जापान का दौरा पारंपरिक विदेशी दौरों से बिल्कुल अलग अनुभव है। कप्तान ने कहा, 'निश्चित रूप से यह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जाने के हमारे पुराने अनुभवों से बिल्कुल अलग है। यह हमारा पहला दौरा है, और यहां की संस्कृति और लोगों का अनुशासन का तरीका बहुत अलग है। मुझे नई संस्कृतियों को अपनाना और वहां के माहौल व रहने-सहने के तौर-तरीकों में जल्द से जल्द ढलना पसंद है। इसलिए यह हमारे लिए एक नई चुनौती है, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्साहित हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और जापान के बीच दोस्ती मजबूत हुई है। उम्मीद है कि सब अच्छा होगा।

एशियन गेम्स 2026:

सुचिका तारियाल 700 ग्राम ज्यादा वजन की वजह से हारीं मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी सुचिका तारियाल ने भारत को एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल तो जिता दिया लेकिन इस खिलाड़ी का गोल्ड जीतने का सपना टूट गया. बड़ी बात ये है कि सुचिका खराब खेल की वजह से मैच नहीं हारी, बल्कि एक नियम ने उन्हें सेमीफाइनल से बाहर कर दिया. सुचिका को प्वाइंट्स के आधार पर नहीं बल्कि वजन के आधार पर हार झेलनी पड़ी. आइए आपको बताते हैं क्या है सुचिका तारियाल का 700 ग्राम वजन का विवाद, आखिर क्यों फूट-फूटकर रोने को मजबूर हुई भारतीय खिलाड़ी?

सुचिका तारियाल की विवादित हार – सुचिका तारियाल 60 किलो वर्ग के सेमीफाइनल में सिंगापुर की हुई हून तेओ से भिड़ रही थीं. दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा. रेगुलेशन टाइम और ओवरटाइम के बाद भी जज ये फैसला नहीं कर सके कि जीता कौन? शुरू में जजों ने तेओ को विजेता घोषित

किया लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने विरोध जताया. भारत ने 1000 डॉलर फीस देकर फैसले पर दोबारा विचार करने की कार्यवाही कराई और नए जजों ने फुटेज देखने के बाद मुकाबले को ड्रॉ घोषित किया. लेकिन मुकाबला ड्रॉ होने के बावजूद सुचिका हार गई.

इस नियम की वजह से हारीं सुचिका – एशियन मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के नियमों के मुताबिक जब मुकाबला ड्रॉ रह जाए और दूसरे टाई-ब्रेकर भी बराबर हों तो सुबह के वजन के आधार पर फैसला होता है. नियम के मुताबिक हल्का वजन वाला खिलाड़ी विजेता माना जाता है. सुचिका का वजन लगभग 59.2 किग्रा था, जबकि तेओ का वजन 58.5 किग्रा था , यानी सुचिका का वजन 700 ग्राम ज्यादा था. इसी वजह से तेओ को फाइनल का टिकट दे दिया गया और सुचिका को ब्रॉन्ज मेडल मिला. सुचिका इस फैसले से बेहद नाराज और दुखी हुई. वो मैट पर ही फूट-फूटकर रोने लगी. इस खिलाड़ी ने शुरुआत में रेफरी और विरोधी खिलाड़ी से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था. सुचिका ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को एमएमए में पहला मेडल तो दिलाया लेकिन सच ये है कि वो गोल्ड मेडल के मौके से चूक गई.

एशियन गेम्स 2026:

भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया

नागोया, एजेंसी । एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49-23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया। हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही। अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी। भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ कोरिया के खिलाफ भी जारी रखने के इरादे से उतरेगी।

आईएसएल में नई शुरुआत:

करण यादव बने नए सीईओ , क्लब-आधारित मॉडल के नए दौर में पहुंची लीग

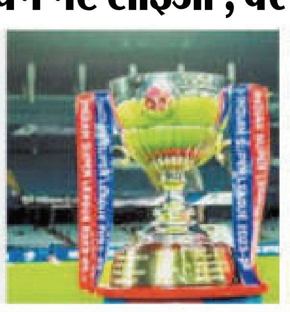

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग ने सोमवार को करण यादव को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया। भारतीय फुटबॉल में क्लब-आधारित नए दौर की शुरुआत के बीच यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह लीग ऑफिस की कमान संभालने के साथ कमर्शियल ग्रोथ, ब्रॉडकास्ट रणनीति और फैंस के साथ जुड़ाव को मजबूत करने पर काम करेंगे।

करण यादव ने नई भूमिका पर क्या कहा?

यादव ने आईएसएल की नई व्यवस्था और अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, आईएसएल एक महत्वपूर्ण नए अध्याय में प्रवेश कर रही है और मैं आगे की दिशा तय करने में योगदान देने के इस अवसर को लेकर उत्साहित हूं।

कोहली-डिविलियर्स नहीं : इस युवा खिलाड़ी की स्किल चुराना चाहते हैं सूर्यकुमार ! कम उम्र में ही बनाए कई रिकॉर्ड्स

मुंबई, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। अब सूर्यकुमार यादव ने भी उनकी तारीफ की है। दूसरे क्रिकेटर की एक स्किल हासिल करने के सवाल पर सूर्यकुमार ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों के बजाय सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने उस खिलाड़ी का नाम बताया है, जिसकी एक खास स्किल वह अपने खेल में चाहते हैं। हैरानी की बात यह रही कि उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे बड़े नामों के बजाय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को चुना। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि वह किसी दूसरे क्रिकेटर की कौन सी स्किल अपने अंदर लेना चाहेंगे, तो उन्होंने सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' को दिए इंटरव्यू में सूर्यकुमार ने

कहा, 'एक युवा लड़का है, आपने उसका नाम जरूर सुना होगा- वैभव सूर्यवंशी। निश्चित रूप से उसकी छक्के लगाने की क्षमता।'

आईपीएल 2026 में 72 छक्के लगाए थे – वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया।

जॉनसन-स्टेनलेक बाहर ,एडवर्ड्स को मौका, साउथ अफ्रीका से वनडे से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम में बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज जैक एडवर्ड्स साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल होने के बाद वनडे में डेब्यू करने के करीब हैं। ऑलराउंडर अभी भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ पुडुचेरी में हैं। यहां से डरबन जाएंगे। गुरुवार को पहला वनडे है। वह इंडिया ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया के चार दिन के मैच की तैयारी कर रहे थे। तेज गेंदबाज बिली स्टेनलेक जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान साइड स्ट्रेन के बाद सीरीज से बाहर हो गए हैं।

स्टेनलेक अपने पांचवें ओवर के बीच में चोटिल हो गए। ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद उनका स्कैन होगा। इस बीच स्पेंसर जॉनसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे में से दो में खेलने के बावजूद टीम से रिलीज कर दिया गया है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को चोट नहीं लगी है, लेकिन मैनेजमेंट को लगा की साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनकी जरूरत नहीं होगी। वह अगले महीने पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से तीन 50-ओवर के मैच के लिए जुड़ेंगे।

पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की टीम से जुड़ेगे – जॉनसन 18 महीने के अंतराल के बाद वनडे क्रिकेट में लौटे और रविवार को जिम्बाब्वे पर ऑस्ट्रेलिया की रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो विकेट लिए और आखिरी विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी में योगदान दिया। पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क डरबन में ऑस्ट्रेलियी की टीम से जुड़ेगे। नाथन एलिस, जोश हेजलवुड और जेवियर बार्टलेट दूसरे पेस ऑप्शन होंगे। वनडे मैच 24, 27 और 30 सितंबर को डरबन, जोहान्सबर्ग और पोटचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com